

हाईकोर्ट का आदेश: पति से अनबन पर नहीं दे सकते गर्भपात की अनुमति

प्रयागराज। पति–पत्नी के बीच सामान्य अनबन को गर्भ में पल रहे बच्चे का जीवन समाप्त करने का आधार नहीं माना जा सकता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि मां की शारीरिक स्वायत्तता के साथ अजन्मे बच्चे के जीवन के मौलिक अधिकार की भी रक्षा जरूरी है। भदोही की 24 वर्षीय महिला ने पति और ससुरालवालों पर प्रताड़ना के आरोप लगाते हुए 20 सप्ताह के गर्भ को समाप्त करने की अनुमति मांगी थी, लेकिन स्वस्थ भ्रूण और मांरल की परिस्थितियों को देखते हुए अदालत ने याचिका खारिज कर दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि मां की शारीरिक स्वायत्तता के साथ–साथ गर्भ में पल रहे अजन्मे बच्चे को भी जीने का मौलिक अधिकार प्राप्त है। ऐसे में पति–पत्नी के बीच सामान्य अनबन के आधार पर गर्भ में पल रहे बच्चे को समाप्त करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति जेजे मुनीर व न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने गर्भपात की मांग में पत्नी की ओर से दायर याचिका खारिज कर दी। भदोही निवासी 24 वर्षीय युवती का विवाह मई 2026 में यूपी पुलिस के एक सिपाही से हुआ था। महिला ने पति, ससुरालवालों पर शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना सहित कई आरोप लगाते हुए गर्भपात की अनुमति देने की मांग में याचिका दायर की थी।

महिला का कहना था कि अब वह बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती है। यह भी कहा कि वह बेरोजगार हैं और आर्थिक तंगी के चलते बच्चे का पालन नहीं कर पाएंगी। इसलिए उसे 20 सप्ताह के इस गर्भ को समाप्त करने की अनुमति दी जाए। वहीं, सिपाही पति ने पत्नी के आरोप को खारिज कर दिया। उसने कोर्ट के सामने हलफनामा दिया कि वह अपनी पत्नी और आने वाले बच्चे की पूरी जिम्मेदारी उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

कोर्ट ने मेडिकल रिपोर्ट में पाया कि 17 सप्ताह से अधिक का भ्रूण पूरी तरह स्वस्थ है। हाईकोर्ट ने केरल हाईकोर्ट के एक निर्णय का हवाला दिया। कोर्ट ने कहा कि गर्भ में पल रहे बच्चे का अपना अस्तित्व और जीवन का अधिकार होता है। जब तक मां के स्वास्थ्य या जीवन को गंभीर खतरा न हो या भ्रूण में कोई जानलेवा बीमारी न पाई जाए, तब तक अजन्मे बच्चे के जीने का अधिकार मां की व्यक्तिगत पसंद पर भारी पड़ेगा।

मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) रूल्स 2003 के नियम के तहत 20 से 24 सप्ताह के बीच गर्भपात की अनुमति केवल विशेष श्रेणियों, जैसे दुष्कर्म पीड़ित, नाबालिग या गर्भावस्था के दौरान पति की मृत्यु या तलाक के कारण वैवाहिक स्थिति बदलने के मामलों में ही दी जाती है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पति–पत्नी के बीच सामान्य कलह पर गर्भपात की अनुमति नहीं दे सकते। कोर्ट ने पति के 40 हजार रुपये के मासिक वेतन में से 12 हजार रुपये प्रति माह पत्नी को देने का आदेश दिया है।

सरकारी वकील को अनपढ़ कहने पर हाईकोर्ट सख्त, एसएसपी के पीआरओ को किया तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आजमगढ़ के एसएसपी के पीआरओ को तलब किया है। आरोप है कि उन्होंने सरकारी अधिवक्ता (एजीए) से कथित दुर्य्वहार किया और फोन पर अनपढ़ कहा था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आजमगढ़ के एसएसपी के पीआरओ को तलब किया है। आरोप है कि उन्होंने सरकारी अधिवक्ता (एजीए) से कथित दुर्य्वहार किया और फोन पर अनपढ़ कहा था। साथ ही विवेचना में लापरवाही पर एसएसपी और एसएचओ महाराजगंज को भी तलब किया गया है। कोर्ट ने कहा है कि अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हों। यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकल पीठ ने सचिन की जमानत अर्जी पर दिया। महाराजगंज थाने में याची सचिन के खिलाफ युवती ने दुष्कर्म व आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई है। उसने जमानत के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। अधिवक्ता ने दलील दी कि याची का इस मामले में कोई दोष नहीं है। वीडियो राकेश यादव के नाम से बनाई गई फेसबुक आईडी से वायरल किया गया है।

कोर्ट के आदेश पर विवेचना अधिकारी विनय कुमार मिश्रा उपस्थित हुए। उन्होंने बताया कि राकेश यादव के नाम से बनाई गई फेसबुक आईडी की जांच में सामने आया कि उसे वर्तमान आवेदक आरोपी सचिन ने बनाया था। इस आईडी के लिए इस्तेमाल किया गया सिम भी सचिन के नाम पर जारी हुआ था। विवेचक ने बताया कि उनका तबादला 20 जुलाई 2026 को यूपीपीसीएल की विजिलेंस विंग में हो चुका था। उन्हें कोर्ट में उपस्थित होने की सूचना नहीं दी गई थी। कोर्ट ने उनका स्पटीकरण स्वीकार कर गैर जमानती वारंट वापस ले लिया। वहीं, इसी दौरान एजीए ने कोर्ट को अवगत कराया कि एसएसपी के पीआरओ ने उन्हें अनपढ़ कहा। इस पर कोर्ट ने पीआरओ को अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश दिया। 12 अक्तूबर को सुनवाई होगी।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण: अग्रिम भुगतान के फेर में 200 प्लैट फंसे, पीडीए ने जारी किया नोटिस

प्रयागराज। अग्रिम भुगतान (एडवांस पेमेंट) के फेर में प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) के तकरीबन 200 प्लैट की बिक्री फंस गई है। 72 घंटे की निर्धारित समय सीमा बीतने के बाद भी लोगों ने 10 फीसदी अग्रिम भुगतान नहीं किया। अग्रिम भुगतान (एडवांस पेमेंट) के फेर में प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) के तकरीबन 200 प्लैट की बिक्री फंस गई है। 72 घंटे की निर्धारित समय सीमा बीतने के बाद भी लोगों ने 10 फीसदी अग्रिम भुगतान नहीं किया। ऐसे लोगों को प्राधिकरण ने नोटिस जारी किया है। पीडीए ने पुरानी आवासीय योजनाओं में खाली पड़े 465 प्लैट की बिक्री के लिए ‘पहले आओ पहले पाओ’ के आधार पर आवास आवंटन की ऑनलाइन प्रक्रिया 25 सितंबर से शुरू की थी। इनमें जाह्दी अपार्टमेंट नैनी (फेज–एक), जागृति विहार आवास योजना कालिंदीपुरम, मौसम विहार अपार्टमेंट कालिंदीपुरम, मानस विहार आवास योजना नैनी, यमुना विहार आवास योजना नैनी और वसुधा विहार आवास योजना कालिंदीपुरम शामिल हैं। 12 दिन में तकरीबन 300 प्लैट की बुकिंग हो चुकी है और लगभग 100 लोगों ने प्लैट के मूल्य की 10 फीसदी अग्रिम धनराशि जमा करते हुए बुकिंग करा ली है। वहीं, 200 लोगों ने ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से प्लैट अपने नाम लॉक तो करा लिया है लेकिन 10 फीसदी का अग्रिम भुगतान नहीं किया है। पीडीए ने इसके लिए 72 घंटे की समय सीमा निर्धारित कर रखी थी। मंगलवार को पीडीए के उपाध्यक्ष ऋषि राज की अध्यक्षता में बैठक कर ऐसे लोगों की लिस्ट तैयार की गई जिन्होंने 72 घंटे बीतने के बाद भी 10 फीसदी का अग्रिम भुगतान नहीं किया है। ऐसे तकरीबन 200 लोगों को पीडीए ने ई–मेल के माध्यम से नोटिस जारी कर कहा कि अगर 24 घंटे में अपेक्षाएं पेमेंट नहीं करते हैं तो तत्काल में इंतजार कर रहे दूसरे लोगों के नाम प्लैट बुक कर दिए जाएंगे।

प्रयागराज में भाजपा की सेवा ज्योति यात्रा, 2०४7 के लक्ष्य पर केशव मोर्य का जोर

प्रयागराज। प्रयागराज में सेवा ज्योति यात्रा के जरिए भाजपा ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य का राजनीतिक संदेश दिया। उप मुख्यमंत्री केशव मोर्य ने प्रधानमंत्री मोदी के 25 साल के नेतृत्व की सराहना करते हुए कार्यकर्ताओं को संगठन और जनसेवा का संकल्प दिलाया।

आगामी राजनीतिक चुनौतियों और संगठन को जनसरोकारों से जोड़ने के बीच प्रयागराज में भाजपा ने ‘सेवा ज्योति यात्रा’ के जरिए राजनीतिक संदेश देने की कोशिश की। सिविल लाइंस स्थित सुभाष चौराहे पर आयोजित तीनों संगठनात्मक जनपदों के संयुक्त कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य ने सेवा ज्योति कलश और मशाल कार्यकर्ताओं तथा जनता को समर्पित की।

कार्यक्रम के मंच से मोर्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के सार्वजनिक जीवन को भाजपा की राजनीतिक यात्रा की बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश किया। उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक मोदी के कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते

हुए उनके नेतृत्व की जमकर सराहना की।

‘मोदी पर विश्वास करो’ के जरिए कार्यकर्ताओं को संदेश मोर्य ने कहा कि देश



प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं और जनता के सामने वर्ष 2047 तक विकसित और आत्मनिर्भर भारत बनाने का संकल्प दोहराया। सेवा ज्योति यात्रा को भाजपा के संगठनात्मक कार्यक्रम के तौर पर पेश करते हुए मोर्य ने जनसेवा को राजनीतिक संगठन की प्राथमिकता से जोड़ा। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं और जनकल्याण की रोशनी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने

स्थानीय नागरिकों की समस्याएं भी सुनीं और प्रशासनिक अधिकारियों को उनके त्वरित और पारदर्शी निस्तारण के निर्देश दिए। इस तरह मंच से

समाज के सभी वर्गों के सशक्तीकरण के लिए काम कर रही है। उनके संबोधन में वर्ष 2047 का विकसित भारत, प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व और डबल इंजन सरकारकृ तीनों प्रमुख राजनीतिक संदेश के रूप में उभरे। प्रयागराज में आयोजित कार्यक्रम के जरिए भाजपा ने संगठनात्मक गतिविधि को सरकार की उपलब्धियों और प्रधानमंत्री के नेतृत्व से जोड़ने की कोशिश की। संगठन की मौजूदगी ने दिखाया शक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम में भाजपा के

राजनीतिक संदेश के साथ सरकार की जनसुनवाई और जनसेवा की छवि को भी सामने रखा गया।

‘डबल इंजन’ सरकार के मॉडल को बताया राजनीतिक आधार

उप मुख्यमंत्री ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकारों को एक साथ रखते हुए ‘डबल इंजन’ सरकार की उपलब्धियों और प्राथमिकताओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका सम्मान के संकल्प के साथ

जवाहर पंडित हत्याकांड: करवरिया बंधुओं को हाईकोर्ट से बड़ा झटका, दूसरी जमानत अर्जी खारिज

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के तत्कालीन विधायक जवाहर यादव उर्फ जवाहर पंडित हत्याकांड में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने करवरिया बंधुओं को बड़ा



झटका दिया है। अदालत ने उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व सांसद कपिल मुनि करवरिया, पूर्व एमएलसी सूर्यभान करवरिया और रामचंद्र त्रिपाठी उर्फ कल्लू की दूसरी जमानत अर्जी खारिज कर दी। न्यायमूर्ति

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने

समाजवादी पार्टी के तत्कालीन विधायक जवाहर यादव उर्फ जवाहर पंडित हत्याकांड से जुड़ी आपराधिक अपीलों में उम्रकैद की सजा काट रहे अभियुक्तों को राहत देने से इनकार कर

दिया। अदालत ने रामचंद्र त्रिपाठी उर्फ कल्लू, पूर्व सांसद कपिल मुनि करवरिया और पूर्व विधान परिषद सदस्य सूर्यभान करवरिया की दूसरी जमानत

हत्या कर दी गई थी। मामले में सुनवाई के बाद विचारण अदालत ने करवरिया बंधुओं समेत अन्य आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

विचारण अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए रामचंद्र त्रिपाठी, पूर्व सांसद कपिल मुनि करवरिया, पूर्व विधान परिषद सदस्य सूर्यभान करवरिया और पूर्व विधायक उदयभान करवरिया ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में आपराधिक अपील दाखिल की है। इसी मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे तीन अभियुक्तों की ओर से दूसरी बार जमानत की मांग की गई थी।

हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति सलील कुमार राय और न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की खंडपीठ ने सुनवाई के बाद रामचंद्र त्रिपाठी, कपिल मुनि करवरिया और सूर्यभान करवरिया की दूसरी जमानत अर्जियां खारिज कर दीं।

इंश्योरेंस कंपनी को आंधी–तूफान में गोदाम को हुए नुकसान की भरपाई करने का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी को आंधी–तूफान और बारिश से प्लाई व्यापारी को हुए नुकसान की भरपाई का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकल पीठ ने बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी की ओर से गोरखपुर लोक अदालत के फैसले के खिलाफ दाखिल याचिका को खारिज करते हुए दिया है। लोक अदालत ने अजय ट्रेडर्स को 12,70,340 रुपये का बीमा दावा अदा करने का आदेश दिया था। मेसर्स अजय ट्रेडर्स ने

17 मार्च 2021 को बीमा कंपनी से स्टैंडर्ड फायर एंड स्पेशल पेरिल्स पॉलिसी ली थी। मई 2021 में आई आंधी, बारिश और ओलावृष्टि के कारण गोदाम की एस्बेस्टस शीट की छत टूट गई। इससे गोदाम में रखा सनमाइका और प्लाईबुड पानी में भीगकर खराब हो गया था। बीमा कंपनी ने दावा यह कहते हुए खारिज कर दिया कि एस्बेस्टस शीट ठीक से लगी नहीं थीं। पानी का रिसाव बीमित जोखिम में शामिल नहीं है। कंपनी की ओर से यह भी कहा गया कि पॉलिसी निर्माण इकाई के लिए थी, जबकि परिसर का इस्तेमाल गोदाम के रूप में किया जा रहा था। कोर्ट ने पाया कि पॉलिसी जारी करने से पहले बीमा कंपनी ने स्वयं परिसर का निरीक्षण किया था। उस समय कोई आपत्ति नहीं उठाई गई। कंपनी ने अपने जवाब में निरीक्षण किए जाने की बात भी स्वीकार की थी। घटना पॉलिसी जारी होने के करीब दो महीने के भीतर हुई। इसलिए यह तर्क भी स्वीकार नहीं किया जा सकता कि इतने कम समय में छत की शीट ढीली हो गई होगी। कोर्ट ने कहा कि भारी बारिश और तेज आंधी के दौरान एस्बेस्टस शीट का टिक पाना मुश्किल था। यह सामान्य पानी के रिसाव का मामला नहीं, बल्कि तेज बारिश का पानी छत टूटने के कारण गोदाम में प्रवेश करने का मामला है। पॉलिसी में तूफान और चक्रवात से होने वाले नुकसान को बीमित जोखिम में शामिल किया गया था। नुकसान का आकलन बीमा कंपनी के अपने सर्वेयर की रिपोर्ट के आधार पर किया गया था। सर्वेयर ने कुल नुकसान 28,33,292 रुपये आंका था। इसमें सैल्वेज, खरीद बिल उपलब्ध न होने के कारण दर में अंतर, अंडर–इंश्योरेंस और पांच प्रतिशत एक्सेस वॉलॉज की कटौती के बाद शुद्ध देय राशि 12,70,340 रुपये निर्धारित की गई। स्थायी लोक अदालत ने इस राशि पर 20 सितंबर 2021 से ब्याज देने का भी आदेश दिया था।

आवास सचिव, जीडीए के उपाध्यक्ष के खिलाफ अवमानना नोटिस जारी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आदेश के बावजूद समय से मुआवजा राशि तय नहीं करने पर आवास व नगर नियोजन विभाग के सचिव डॉ.बलकार सिंह, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष और एडीएम के खिलाफ अवमानना नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने तीनों को 23 नवंबर को व्यक्तिगत रूप से तलब किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति पीयूष अग्रवाल की एकल पीठ ने सुर्ख सिंह व चार अन्य की अवमानना याचिका पर दिया है। याची के अधिवक्ता दलील दी कि हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दाखिल की गई थी।

बरेली कॉलेज विवाद मामले में प्रारंभिक जांच पर लगी रोक हटी, एकलपीठ ने सुनाया फैसला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बरेली कॉलेज की प्रबंध समिति की ओर से दाखिल विशेष अपील पर सुनवाई करते हुए बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने एकल पीठ की ओर प्रोफेसर डॉ. वीरपाल सिंह के खिलाफ प्रारंभिक जांच पर लगाई गई रोक के आदेश पर स्टे लगा दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बरेली कॉलेज की प्रबंध समिति की ओर से दाखिल विशेष अपील पर सुनवाई करते हुए बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने एकल पीठ की ओर प्रोफेसर डॉ.वीरपाल सिंह के खिलाफ प्रारंभिक जांच पर लगाई गई रोक के आदेश पर स्टे लगा दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति स्वरूपा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने दिया है। कॉलेज प्रबंध समिति ने एकल पीठ के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में विशेष अपील दायर की थी प्रबंध समिति के अधिवक्ता ने दलील दी कि किसी प्रारंभिक जांच के खिलाफ याचिका विचारणीय नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के नजीर का हवाला दिया। कहा कि शुरुआती स्तर पर ही जांच पर अंतरिम रोक लगा देने से अंतिम राहत देने जैसा प्रभाव पड़ता है। इससे सच्चाई सामने नहीं आ पाती है। यह भी दलील दी कि वे प्रोफेसर को विभागाध्यक्ष के पद से हटाने संबंधी एकल पीठ के अंतरिम आदेश का विरोध नहीं कर रहे हैं। खंडपीठ ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी प्रतिवादियों को अपना जवाब दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया है। इसके बाद प्रत्युत्तर दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का अतिरिक्त समय दिया गया है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि अगली सुनवाई की तारीख तक एकल पीठ के चार अगस्त 2026 के आदेश प्रारंभिक जांच पर लगाई गई रोक का प्रभाव निलंबित रहेगा।

भरण पोषण खैरात नहीं, पत्नी और बच्चों का अधिकार है, पुलिस कांस्टेबल पति की याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि भरण पोषण खैरात नहीं, पत्नी और बच्चों का अधिकार है। उन्हें पति और पिता के समान स्तरीय सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि भरण पोषण खैरात नहीं, पत्नी और बच्चों का अधिकार है। उन्हें पति और पिता के समान स्तरीय सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति जेके उपाध्याय की एकल पीठ ने इटावा निवासी पुलिस कांस्टेबल की पत्नी और बेटे की ओर से भरण पोषण की राशि बढ़ाने की मांग वाली पुनरीक्षण याचिका स्वीकार कर ली। साथ ही पत्नी का भरण–पोषण पांच हजार रुपये से बढ़ाकर आठ हजार तो बेटे का चार हजार से पांच हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया है। याची की शादी 29 नवंबर 2011 को हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद ससुरालवालों ने अतिरिक्त दहेज की मांग की। मांग पूरी न होने पर उसे प्रताड़ित किया गया। 22 मार्च 2013 को उसे छोटे बच्चे के साथ घर से निकाल दिया गया। परिवार न्यायालय ने एक जून 2017 को पत्नी को तीन हजार और बेटे को एक हजार रुपये प्रतिमाह भरण–पोषण देने का आदेश दिया था। लगातार बढ़ते खर्च के कारण पत्नी ने भरण पोषण की राशि बढ़ाने की मांग की। इस पर परिवार न्यायालय ने 2023 में पत्नी का भरण–पोषण पांच हजार और बेटे का चार हजार रुपये कर दिया। हालांकि, इससे असंतुष्ट होकर पत्नी ने हाईकोर्ट में पुनरीक्षण दाखिल की। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि पति पुलिस विभाग में कांस्टेबल है। उसका मासिक वेतन 55 हजार रुपये से ज्यादा है। लिहाजा, पत्नी व बच्चे को मिल रही भरण पोषण की रकम पति की मासिक आय के मुकाबले बहुत कम है।

कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला दिया। कहा कि भरण पोषण की राशि पति की भुगतान क्षमता के अनुरूप होनी चाहिए। मौजूदा मामले में पति का वेतन 55 हजार रुपये महीने है। पत्नी और नाबालिग बच्चे का भरण–पोषण करना पति का दायित्व है। पति को भरण पोषण की बढ़ी राशि एक अक्तूबर से देय होगी।

केवल पकड़ने की भूमिका के आधार पर किसी को हत्या का दोषी नहीं ठहरा सकते

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि केवल मृतक को पकड़ने की भूमिका के आधार पर किसी को हत्या का दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि केवल मृतक को पकड़ने की भूमिका के आधार पर किसी को हत्या का दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन को साझा मंशा, पूर्व नियोजित योजना या आरोपियों के बीच पहले से की गई सहमति का ठोस साक्ष्य प्रस्तुत करना जरूरी होता है।

इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने इम्तियाज को हत्या के मामले में संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया। मामला बुलंदशहर के सिकंदराबाद थाना क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार 16 मार्च 1986 को जंगेशोर अपने भाई दलशेर के साथ बाजार जा रहा था। रास्ते में उसे इम्तियाज और उसका भाई फारुक मिला। आरोप था कि इम्तियाज ने जंगेशोर को पकड़ लिया और फारुक ने उसकी पीठ पर चाकू से वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। ट्रायल कोर्ट ने इम्तियाज को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। दोनों ने सजा के खिलाफ अपील दायर की थी। फारुक की मृत्यु हो गई तो उसके संबंध में अपील समाप्त हो गई। वहीं, कोर्ट ने पाया कि इम्तियाज के खिलाफ केवल जंगेशोर को पकड़ने की भूमिका बताई गई थी। उसके पास से हत्या का कोई हथियार बरामद नहीं हुआ था। चाकू फारुक की निशानदेही पर बरामद हुआ था। कोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड पर ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है, जिससे यह साबित हो सके कि इम्तियाज और फारुक के बीच हत्या के लिए पहले से कोई योजना या साझा मंशा थी।

एलटीटी से समस्तीपुर और दानापुर के लिए स्पेशल ट्रेनें, प्रयागराज छिवकी पर होगा ठहराव

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे ने दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पर्व पर घर जाने वाले यात्रियों के लिए विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। इन ट्रेनों का संचालन लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) से समस्तीपुर और दानापुर के लिए होगा, जो प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर भी रुकेंगी। गाड़ी संख्या 01043 लोकमान्य तिलक टर्मिनस–समस्तीपुर साप्ताहिक विशेष ट्रेन कुल छह फेरे लगाएगी। इसके अतिरिक्त, गाड़ी संख्या 01143 लोकमान्य तिलक टर्मिनस–दानापुर दैनिक विशेष ट्रेन भी चलाई जाएगी, जो कुल 44 फेरे लगाएगी। एनसीआर के सीपीआरओ डॉ. शिवम शर्मा ने बताया कि इन विशेष ट्रेनों से त्योहारी सीजन में आर्क्षित टिकट मिलने की उम्मीद बढ़ेगी। साप्ताहिक विशेष ट्रेन 01043 एलटीटी से 13 अक्तूबर से 17 नवंबर तक संचालित होगी। यह हर मंगलवार को दोपहर 12रु10 बजे एलटीटी से प्रस्थान करेगी। अगले दिन यह दोपहर 11रु10 बजे प्रयागराज छिवकी होते हुए रात 11रु45 बजे समस्तीपुर पहुंचेगी।

सम्पादकीय.....

जिम्मेदारी का पर्यटन

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि हिमालय के संवेदनशील इलाकों में धार्मिक पर्यटन के लिये निकले लोग ऐसा व्यवहार करते हैं मानो यह क्षेत्र उनकी विलासिता की सैरगाह हो। वे अपनी सुख–सुविधाओं को प्राथमिकता देते हैं और इस इलाके के नैसर्गिक परिवेश से खिलवाड़ करते हैं। मिली सुचनाओं के अनुसार इस साल सितंबर के मध्य तक, चारधाम यात्रा के दौरान तीर्थयात्री ८०० टन से अधिक का कचरा वहां फेंक आए हैं। वहीं यदि हेमकुंट साहिब और वैली ऑफ पर्वोवर्स का कचरा भी इसमें शामिल कर लें तो मात्रा और अधिक हो जाती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि हिमालय पर्वत शृंखलाओं में तीन हजार मीटर से ज्यादा ऊंचाई पर प्लास्टिक की बोतलें, रैपर और डिस्पोजेबल चीजें पायी गई हैं। निस्संदेह, इससे यही संकेत मिलता है कि यात्री इन धार्मिक स्थलों के आसपास ऐसा व्यवहार कर रहे हैं जैसे यह उनकी मौज–मस्ती की जगह हो। यह जानते हुए कि इन दुर्गम इलाकों में शहरों की तरह कचरे निपटान की पर्याप्त व्यवस्था और क्षमता नहीं है। सही मायने में यदि तीर्थयात्री किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर निकलें तो तीर्थयात्रा पर आध्यात्मिक छाप पड़नी चाहिए, न कि प्लास्टिक के कचरे की। यही वजह है कि संवेदनशील हिमालयी क्षेत्रों में धार्मिक पर्यटन का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रसिद्ध तीर्थ स्थल केदारनाथ धाम के हालिया आंकड़ों को चेतावनी की तरह लिया जाना चाहिए। बताते हैं कि अप्रैल से अगस्त के बीच इस तीर्थ स्थल पर तीर्थयात्रियों द्वारा छोड़ा गया ५०.३० टन कचरा जमा हुआ। यह कचरा वर्ष २०२३ से २०२५ के बीच किसी भी पूरे साल में जमा हुए कचरे से कहीं ज्यादा पाया गया है। जो हिमालयी पारिस्थितिकीय संतुलन की दृष्टि से बेहद चिंता का विषय है। लेकिन तमाम तीर्थ यात्रियों के इस अराजक व्यवहार के विपरीत ‘कैरी भी बैक’ अभियान की पहल एक नई उम्मीद भी जगाती है। उल्लेखनीय है कि कैरी भी बैक मुहिम के तरत लगभग पांच हजार तीर्थयात्री इस इलाके में करीब १८ किलोमीटर के रास्ते में १२ टन से अधिाक कंप्रेस्ड प्लास्टिक वापस नीचे लेकर आए हैं। निस्संदेह, यह पहल काबिले तारीफ व प्रेरणादायी है। ऐसी मुहिम तीर्थयात्रियों को पर्यावरण संरक्षण की पहल में भागीदार बनाती है। इसके बावजूद ये प्रयास एक जिम्मेदार पर्यटन नीति की जगह नहीं ले सकते। ऐसे में बड़ा प्रश्न यह है कि पहाड़ों तक इतना कचरा क्यों और कैसे पहुंचता है। ऐसा भी नहीं है कि यह समस्या केवल केदारनाथ तक ही सीमित हो। लेकिन इसके बावजूद कुछ सकारात्मक उदाहरण नई उम्मीद भी जगाते हैं। इस साल अमरनाथ यात्रा के दौरान, दोबारा इस्तेमाल होने वाले बर्तनों और पानी भरने की सुविधाओं में विस्तार की वजह से अच्छे परिणाम सामने आए हैं। इस यात्रा के दौरान यात्रियों की संख्या में १७ फीसदी की बढ़ोतरी के बावजूद प्रति यात्री द्वारा छोड़े जाने वाले कचरे में १५ फीसदी की कमी आई है। निश्चित रूप से ऐसे सकारात्मक प्रयास आम बात हो जानी चाहिए। तीर्थ यात्रा के प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों को सिर्फ तीर्थयात्रियों को अपील करने के बजाय उनकी जवाबदेही तय करने की दिशा में कदम उठाने चाहिए। सिंगल–यूज प्लास्टिक को रेगुलेट करना, बोतलों और पैकेजिंग पर डिपॉजिट सिस्टम लागू करना, रिफिल प्वाइंट बढ़ाना, कचरे को स्रोत पर ही अलग–अलग करने की व्यवस्था करना जरूरी है। वैडरों को उनके उत्पादों से पैदा होने वाले कचरे के लिये जिम्मेदार बनाना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर धार्मिक पर्यटन स्थलों पर लगातार बढ़ते तीर्थयात्रियों के दबाव को टालने के लिये वैज्ञानिक तरीके से उनकी संख्या को सीमित करने की जरूरत होती है। निश्चित रूप से आस्था का मतलब पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी से छूट नहीं है। किसी भी पवित्र पर्वत की सीमाओं का सम्मान करना, उस आस्था का सम्मान करने का ही एक हिस्सा है, जिसे वह पर्वत दर्शाता है। तीर्थ यात्रियों को अपना कचरा वापस लेकर जाना चाहिए। सरकारों को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बेहिसाब तीर्थयात्रा के बुरे नतीजों का बोझ पहाड़ों पर न पड़े।

बच्चों के पोषण में डिजिटलीकरण न बने बाधा

राजू कुमार

हाल के वर्षों में लगभग हर क्षेत्र में डिजिटल प्रक्रिया तेजी से बढ़ी है। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लक्षित समूहों के लिए चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं में भी तकनीक का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। इससे योजनाओं की निगरानी और पारदर्शिता बेहतर हो सकती है, लेकिन तकनीकी प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण पात्र व्यक्ति योजना से वंचित रह जाए, तो यह चिंता का विषय है। बच्चों के भोजन और पोषण से जुड़ी योजनाओं में यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि देश में बाल कुपोषण अब भी गंभीर समस्या बना हुआ है। ऐसे में आध्ार, ई–केवाईसी, फेस रिकग्निशन या किसी ऐप की तकनीकी प्रक्रिया के कारण किसी बच्चे का भोजन और पोषण नहीं रुकना चाहिए। तकनीक का इस्तेमाल योजनाओं को बेहतर बनाने और उनकी निगरानी के लिए हो सकता है, लेकिन गरीब, प्रवासी, आदिवासी और दूसरे वंचित परिवारों के बच्चों के लिए ऐसी शर्तें भोजन और पोषण सेवाओं तक पहुंच को और कठिन बना सकती हैं।राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण–६ के अनुसार देश में पांच साल से कम उम्र के २९.३ प्रतिशत बच्चे टिगनेपन के शिकार हैं, १९ प्रतिशत बच्चे दुबले हैं और ३१.८ प्रतिशत बच्चों का वजन उनकी उम्र के अनुसार कम है। पिछले राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के मुकाबले इन संकेतकों में सुधार दर्ज हुआ है, लेकिन करीब हर तीन में से एक बच्चे का उम्र के अनुसार कम वजन होना बताता है कि चुनौती अभी भी बड़ी है। बच्चे के जीवन के शुरुआती दो वर्षों में पर्याप्त और विविध आहार मिलना भी पोषण का महत्वपूर्ण आधार है इसलिए

ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए देश में तेज हो रहे आंदोलन, चुनाव चोरी के मसले पर मोदी सरकार के खिलाफ बढ़ती नाराजगी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के खिलाफ बढ़ते संदेह के बीच एक राहत देने वाला बयान सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुईयां की तरफ से आया है। हालांकि जस्टिस भुईयां ने यह टिप्पणी किसी सुनवाई के दौरान नहीं की है, न ही यह किसी फैसले का हिस्सा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा न्यायाधीश होने के नाते ही उनकी यह टिप्पणी काफी अहम है, क्योंकि इसमें नागरिकता और मताधिकार के बीच के अटूट संबंध को रेखांकित किया गया है। एसआईआर पर विवाद इसी वजह से ही उठे हैं कि मतदाता सूची शुद्धिकरण के नाम पर दस–बीस नहीं कम से कम १३ करोड़ लोगों से मताधिकार छीन लिया गया है। मताधिकार छीनने की कवायद को जस्टिस उज्ज्वल भुदुयां ने संविधान के मूल ढांचे पर प्रहार के समान बताया है। उन्होंने कहा कि अगर कोई प्रक्रिया लाखों भारतीय नागरिकों को उनके मतदान के अधिकार से वंचित कर उन्हें अपने ही देश में बिना

डॉ. दीपक पाचपोर

एसआईआर पर

विवाद इसी वजह से ही

उठे हैं कि मतदाता सूची

शुद्धिकरण के नाम पर

दस–बीस नहीं कम से

कम १३ करोड़ लोगों से

मताधिकार छीन लिया

गया है।

वोट वाले नागरिकों में बदल देती है, तो ऐसी प्रक्रिया श्स्वाभाविक रूप से मनमानीश होगी और संविधान के मूल ढांचे पर चोट करेगी। हैदराबाद की नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ में आयोजित १९वें जस्टिस बोध राज साहनी मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता के समापन पर जस्टिस भुईयां ने कहा कि भारतीय संविधान नागरिकों की दो श्रेणियां नहीं बनाता—एक वे जिनके पास वोट देने का अधिाकार है और दूसरी वे जिनके पास यह अधिकार नहीं है। वोट छीनने वाली किसी भी प्रक्रिया को स्वभावतरु मनमाना बताते हुए उन्होंने कहा कि इसे किसी भी तरह की दलील या बहाने से जायज नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक ऐसी स्थिति संविान के श्दिलश पर चोट करती है और भारत द्वारा अपनाए गए संवैधानिक शासन—व्यवस्था की ही नकार बन जाती है। जस्टिस भुईयां ने अपने भाषण में सीधे तौर पर न एसआईआर का नाम लिया, न ज्ञानेश कुमार का जिक्र इस संदर्भ में किया, न ही सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर को जायज ठहराने वाले जो फैसले पिछले कुछ वक्त में आए हैं, उन पर कुछ कहा, लेकिन यह सब सीधे

े तौर पर न कहते हुए भी जस्टिस भुईयां ने अपने भाषण में दो टूक कहा कि किसी भारतीय नागरिक की पहचान से उसके वोट देने या मतदाता सूची में शामिल होने के अधिकार को अलग नहीं किया जा सकता। उन्होंने इसकी तुलना शरीर से आत्मा निकालने से की। यानी नागरिकता और मताधिकार को एक–दूसरे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। उन्होंने कानून के विद्यार्थियों और भावी वकीलों के जरिए देश को याद दिलाया कि भारत जैसे लोकतंत्र में आम नागरिक के लिए सरकार के संचालन में भागीदारी का सबसे महत्वपूर्ण और सीधा माध्यम उसका वोट है। उन्होंने कहा कि मताधिकार नागरिकता का सार है और यही वह माध्यम है जिसके जरिए देश का सामान्य नागरिक शासन—व्यवस्था में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करता है। जस्टिस भुईयां ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद ३२६ को विशेष रूप से महत्वपूर्ण बताया जो लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनावों को वयस्क मताधिकार के आधार पर कराए जाने की संवैधानिक व्यवस्था करता है। जस्टिस भुईयां ने साफ कहा कि अनुच्छेद ३२६

जो पूरे शासन के इस दिशा में प्रवृत्त होने का संकेत देती है, इसलिए हम यहां इस प्रसंग का थोड़े विस्तार से जिक्र करना चाहेंगे। इस प्रकरण को, शुरुआत, २६ सितंबर को, सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर आए एक गुमनाम ट्वीट से होती है। इस ट्वीट में देश के

वर्तमान नीति निर्धारकों को चेताया जाता है कि पितृसत्ता, जाति, ब्राह्मणवाद, मनुवाद की आलोचनाओं का रजहरश युवा दिमागों में भरा जा रहा है, जिसके जरिए वामपंथी जुंडली शिक्षण का उपयोग अपनी कारतारों में भर्ती के लिए रंगरूट तैयार करने के लिए कर रही है!

भ्राद्र पक्ष की पूर्णिमा से अश्विन कृष्ण पक्ष की अमावस्या तक को पितृ पक्ष कहा जाता है।यह भारतीय धर्मों में किया जाने वाला कर्म है जो पितरों के प्रति श्रद्धा तथा उन्हें याद करने के लिए निमित्त किया जाता है। यह प्राचीन समय से मनाया जाता है क्योंकि पहले पूर्वजों को देवताओं के बराबर सम्मान दिया जाता था।ये पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता प्रगट करता है। श्राद्ध पक्ष के दौरान पितरों को स्मरण करते है और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

भारतीय धर्म की मान्यता के अनुसार तीन ऋण है पितृ ऋण, देव ऋण,ऋषि ऋण इनमें सबसे बड़ा पितृ ऋण है इस भाग में पितर अपने परिवार के सदस्यों के घर वास करते हैं और सोलह दिन अपना अपना भाग लेकर पितर ब्रह्मांडीय ऊर्जा के साथ वापस चले जाते हैं इस प्रकार व्यक्ति अपने पितृ ऋण से मुक्त हो जाता है। इस अवधि में विशेष पूजा पाठ आयोजित होते हैं।ब्राह्मण को भोजन कराया जाता है,पाँच अंश निकालते हैं कुत्ता का, कौवा का वायु का, अग्नि का,गाय का, पृथ्वी का ।इस प्रकार हम पाँचो को भोजन करा कर पंच तत्वों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं। समय परिवर्तनशील है आज के समय लोग इन मान्यताओं पर कम विश्वास करते है। यह एक श्रद्धा पर्व है जिसमें हम अपने पितरों को याद करते है। आज हम अपना अतीत भूलते जा रहे है जिसकी नींव पर हमारा वर्तमान खड़ा है।

जिन पूर्वजों के कारण हम आज अस्तित्व में है जिनके गुण और कौशल हमे विरासत में मिले हैं उनका हम पर न चुकाया जाने वाला ऋण है। श्राद्ध पक्ष में केवल तिथियां ही नहीं बल्कि हमारी स्मृति को जगाने का अवसर है। श्राद्ध श्रद्धा से बना है इसका अर्थ पूर्वजो के प्रति कृतज्ञता एवम आत्मीय स्मरण है। श्राद्ध पक्ष स्मृति का उत्सव है।

पितरपक्ष हमे ये एहसास दिलाता है कि हमारा जीवन हमारे पूर्वजों द्वारा दिया गया है और हमारा कर्तव्य है कि हम उनकी आत्मा की शांति के लिए अपने धर्मानुसार रीति रिवाज पालन करें। पितरों को जल अर्पण करते समय भीतर कृतज्ञता का दीप जलाये। ब्राह्मण को खाना खिलाये तो सेवा का संकल्प ले और पूर्वजो के जीवन से कोई अच्छा गुण अपने आचरण में उतारने की कोशिश करें। हम पूर्वजों को न भूले जिनकी वजह से हमारा अस्तित्व है।

साल से कम उम्र के बच्चों के लिए क्रेच और शुरुआती देखभाल की व्यवस्था पर भी ध्यान देना होगा। प्रवासी मजदूरों, बेघर और विस्थापित परिवारों के बच्चों के लिए समस्या और कठिन है। पहचान या स्थायी पते के अभाव में यदि कोई बच्चा आंगनवाड़ी, स्कूल, भोजन या स्वास्थ्य सेवाओं से बाहर रह जाता है तो इसका सबसे ज्यादा असर पहले से वंचित परिवारों पर पड़ता है। बच्चों के भोजन की व्यवस्था में स्थानीय समुदाय की भागीदारी बढ़ाने की भी जरूरत है। स्थानीय स्वयं सहायता समूहों, रसोइयों, किसानों, ग्राम पंचायतों, माता–पिता और स्कूल प्रबंधन समितियों को इससे जोड़ने पर भोजन की गुणवत्ता और निगरानी दोनों में मदद मिल सकती है। स्थानीय किसानों से दाल, मोटे अनाज और दूसरी पौष्टिक सामग्री की खरीद बच्चों को स्थानीय और विविध ा भोजन उपलब्ध कराने के साथ किसानों और स्थानीय आजीविका को भी सहारा दे सकती है। इसके साथ सामाजिक अंकेक्षण, भोजन की स्वतंत्र गुणवत्ता जांच, सरकारी ठेकों में पारदर्शिता और शिकायतों के निवारण की प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए। बच्चों के भोजन और पोषण की जिम्मेदारी सरकार की है। इसलिए निजीकरण के बजाय सार्वजनिक व्यवस्था को मजबूत करते हुए स्थानीय भागीदारी को बढ़ावा देने की जरूरत है। बदलती जलवायु और बार–बार आने वाली प्राकृतिक आपदाओं का असर परिवारों की खाद्य सुरक्षा पर भी पड़ रहा है। सूखा, बाढ़, अत्यधिक गर्मी या आजीविका का नुकसान अंततः घर में उपलब्ध भोजन को प्रभावित करता है। इसलिए आपदा के समय बच्चों और गर्भवती महिलाओं के भोजन और पोषण की व्यवस्था को राहत कार्यक्रमों का जरूरी हिस्सा बनाना होगा।

के साथ छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई प्राधिकरण ऐसा नहीं कर सकता और कोई अदालत भी ऐसी प्रक्रिया को मंजूरी नहीं दे सकती जो संवैधानिक मताधिाकार को बड़े पैमाने पर खत्म करती हो। उन्होंने कहा कि कोई भी संविधान से ऊपर नहीं है। इसके साथ ही जस्टिस भुईयां ने अनुच्छेद ३२६ को संविधान के अनुच्छेद १४ में निहित समानता के सिद्धांत से भी जोड़ा। अनुच्छेद १४ कानून के समक्ष समानता और कानूनों के समान संरक्षण की गारंटी देता है। जस्टिस भुईयां के अनुसार सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार इस समानता को वास्तविक लोकतांत्रिक अर्थ देता है। यानी समाज में ऊँची स्थिति वाला व्यक्ति और सबसे निचले सामाजिक–आर्थिक पायदान पर खड़ा व्यक्ति दोनों की नागरिक के तौर पर एक जैसी हैसियत है और दोनों के चुनाव में एक–एक वोट है। उन्होंने इसे संविधान के उस परिवर्तनकारी दृष्टिकोण के रूप में प्रस्तुत किया जिसमें आर्थिक और सामाजिक असमानताओं के बावजूद राजनीतिक समानता सुनिश्चित की गई है। जस्टिस भुइयां ने

बहरहाल, वामपंथ पर हमले की आड़ में वास्तव में सामाजिक रूप से उत्पीड़ितों, खासतौर पर वंचित जातियाँ तथा महिलाओं के अधिकारों तथा उनकी समानता की पुकारों का रास्ता खोलने वाली और उनका रास्ता रोकने वाली मेधाओं को उच्च शिक्षा के दायरे से बहिष्कृत ही

करने की आरएसएस की मांग तब पूरी तरह से उजा



रियलिटी शो राइज एंड फॉल सीजन 2 में एक्ट्रेस स्वरा भास्कर और प्रियंका चाहर चौधरी के बीच तीखी बहस हुई। गौतम सिटी टास्क के दौरान प्रियंका के गौतम गुलाटी का साथ देने से इनकार करने पर दोनों कंटेस्टेंट्स के बीच तीखी नोक-झोंक हुई। गौतम सिटी को अल्टीमेट रूलर की गद्दी तक पहुंचने का रास्ता माना जा रहा था, लेकिन वर्कर्स के इरादे कुछ और ही थे। इस रेस में गौतम गुलाटी और शहजाद पूनावाला शामिल थे। गौतम की पुरानी दोस्त से दुश्मन बर्नी प्रियंका चाहर चौधरी के पास उनकी मदद करने का मौका था, लेकिन टास्क शुरू होते ही वह पीछे हट गई और कहा, मुझे राज एंड फॉल से दुख हो रहा है। कायरा और निहारिका ने भी गौतम का गेम बिगाड़ दिया, जिससे ऐसा लगने लगा कि गौतम सिटी आधिकारिक तौर पर श्नो-एंट्री जोन बन गई है। इसके बाद करण पटेल ने प्रियंका से कहा कि अगर वह चाहें तो अपनी जगह बदल सकती हैं, लेकिन उन्होंने इनकार करते हुए कहा, मुझ पर झूठा आरोप क्यों लगाया गया ? मैं झूठ नहीं बोलती और अगर मुझ पर आरोप लगाया जाएगा, तो मुझे सपोर्ट नहीं मिलेगा। प्रियंका के इनकार से स्वरा नाराज हो गई और

राजपाल यादव पर सुप्रीम कोर्ट सरव्त, 2 करोड़ जमा करने का आदेश, जेल की सजा बढ़ाने के भी दिए संकेत

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक्टर और कॉमेडियन राजपाल यादव को निर्देश दिया कि वे सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री में 1. 15 करोड़ रुपये जमा करें। उनके वकील ने बताया कि यह रकम तुरंत जमा करने के लिए तैयार है, जबकि बाकी 85 लाख रुपये उनकी पुश्तैनी संपत्ति के एक संभावित खरीदार के जरिए जुटाए जाएंगे। यह सब कई चेक बाउंस मामलों के सिलसिले में 2 करोड़ रुपये चुकाने की व्यवस्था के तहत किया जा रहा है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच यादव और उनकी पत्नी राधा यादव की उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें दिल्ली हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसने नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत सात चेक बाउंस मामलों में उनकी सजा को बरकरार रखा था। सुनवाई के दौरान, सीजेआई कांत की अगुवाई वाली बेंच को बताया गया कि यादव ने डिमांड ड्राफ्ट के जरिए 1.15 करोड़ रुपये का इंतजाम कर लिया है, जबकि उनकी पुश्तैनी संपत्ति के एक संभावित खरीदार, जो कोर्ट में मौजूद थे, बाकी 85 लाख रुपये एडवांस के तौर पर देने को तैयार थे। यादव के वकील ने शीर्ष अदालत को बताया कि खरीदार पितृ पक्ष की वजह से अभी बिक्री के दस्तावेज रजिस्टर नहीं कराना चाहता और नवरात्रि शुरू होने के बाद रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया आगे बढ़ाना चाहता है। वकील ने आगे कहा कि खरीदार सोमवार को डिमांड ड्राफ्ट के जरिए 85 लाख रुपये जमा करने को तैयार है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने सौदे की कुल कीमत पर सवाल उठाया और कहा कि देनदारी 2 करोड़ रुपये से काफी ज्यादा है। सीजेआई कांत की अगुवाई वाली बेंच ने पूछा, षबिक्री की कुल कीमत क्या होगी ? क्योंकि देनदारी 2 करोड़ रुपये से कहीं ज्यादा है। वकील ने कहा कि संपत्ति की कीमत 30 करोड़ रुपये से ज्यादा है और पुष्टि की कि संभावित खरीदार के पास प्रस्तावित भुगतान करने की क्षमता है। शिकायतकर्ता के वकील ने इस प्रस्ताव पर सहमति जताई और कहा कि अगर तुरंत 2 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया जाता है, तो यादव को बाकी रकम चुकाने के लिए अतिरिक्त समय दिया जा सकता है। सीजेआई कांत की अगुवाई वाली बेंच ने सुझाव दिया कि 1.15 करोड़ रुपये तुरंत जमा किए जाएं और बाकी 85 लाख रुपये सोमवार को ट्रांसफर किए जाएं, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट बाकी रकम के भुगतान के लिए एक शेड्यूल तय करेगा। सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने अपने पहले के निर्देशों का पालन करने में यादव के व्यवहार पर नाराजगी जताई और संकेत दिया कि वह उनकी तीन महीने की जेल की सजा को बढ़ाकर दो साल करने पर विचार कर रहा है। जस्टिस बागची ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट यादव के व्यवहार से संतुष्ट नहीं है और उन्हें



उन्होंने प्राइज पॉट को लेकर प्रियंका के फैसले पर सवाल उठाए। गुस्से में स्वरा ने कहा, तुम हमारे 32 लाख रुपये ले गई, मेरे 7 लाख रुपये ले गई। तुम पर क्या आरोप लगा है? उस घर में मैं भी हूँ, करण भी है और राज भी... तो तुम्हें वह पैसा लेने का क्या हक है ? (आपने हमारे 32 लाख रुपये और मेरे 7 लाख रुपये ले लिए। आप पर क्या आरोप लगाया गया है? मैं भी उस घर में हूँ, करण भी वहां हैं और राज भी वहां हैं। तो आपको पैसे लेने का क्या अधिकार है?) प्रियंका ने पलटवार करते हुए कहा, श्मेरे पास विकल्प था लेकिन स्वरा इस मामले को जाने देने के लिए तैयार नहीं थीं। उन्होंने प्रियंका से कहा, तुम भी वही हो जो तुम इन लोगों को बोलती हो, तुम कोई अलग नहीं हो तो ये मास्क तुम झोंप कर दो ठीक है ना। प्रियंका ने जवाब दिया, मैं तो कह रही हूँ मैं बुरी हूँ, जिस पर स्वरा ने तुरंत पलटवार किया, तो इल्जाम कुछ नहीं है, वो सच ही है। बहस तब और बढ़ गई जब प्रियंका ने फिर खेलने से इनकार कर दिया। स्वरा ने कहा, तो जाओ बहार...जब तुम इतनी टूटी-फूटी हो तो बाहर जाओ गेम से..यार तुम लोग सबका अनादर कर रहे हो, शो का अनादर कर रहे हो, तुम यहां श्रम का अनादर कर



दी जा रही रियायत का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि शिकायतकर्ता को पैसे वापस मिल जाएं। सुप्रीम कोर्ट का यह ताजा आदेश तब आया जब 5 अक्टूबर को कोर्ट ने पाया कि 15 सितंबर के उसके निर्देश का पालन नहीं किया गया था। उस समय, सीजेआई कांत की बेंच ने देखा था कि 50 लाख रुपये के कथित डिमांड ड्राफ्ट की फोटोकॉपी पेश की गई थी और दावा किया गया था कि ड्राफ्ट अगले दिन दिल्ली पहुंच जाएगा। तब सुप्रीम कोर्ट ने यादव को कुल 2 करोड़ रुपये का भुगतान करने का आखिरी मौका दिया था और मामले की सुनवाई 7 अक्टूबर के लिए तय की थी। 15 सितंबर को, सुप्रीम कोर्ट ने यादव को कम से कम 2 करोड़ रुपये जमा करने का आखिरी मौका देते हुए दो हफ्ते का समय दिया था, क्योंकि कोर्ट ने पाया था कि 5 करोड़ रुपये जमा करने के उसके पहले के निर्देश का पालन नहीं किया गया था। सुप्रीम कोर्ट, यादव और उनकी पत्नी राधा राजपाल यादव की उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है जिनमें दिल्ली हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत चेक बाउंस



बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं। उन्होंने हाल ही में रक्षा बंधन के एक विज्ञापन को लेकर हुए पुराने विवाद पर बात की। कृति ने बताया कि किस तरह उनके ऑउटफिट को लेकर हुआ मामला इतना बढ़ गया कि वह नेशनल टीवी के प्राइम टाइम डिबेट तक पहुंच गया। इसके अलावा एक्ट्रेस ने कई अन्य मुद्दों पर भी अपनी राय साझा की। कृति ने ये सब बातें करीना कपूर के अपकमिंग टॉक शो व्हाट वुमन वांट में कहीं हैं, जिसका हाल ही में ट्रेलर रिलीज किया गया। ट्रेलर में मिकी कॉन्ट्रैक्टर, पंकज त्रिपाठी,

ग्लैमरस कपड़े और मेकअप भी अंदर की बदसूरती नहीं छिपा सकते... प्रियंका चाहर पर भड़की स्वरा भास्कर

गुस्से में स्वरा ने कहा, तुम हमारे ३२ लाख रुपये ले गई, मेरे ७ लाख रुपये ले गई। तुम पर क्या आरोप लगा है? उस घर में मैं भी हूँ, करण भी है और राज भी... तो तुम्हें वह पैसा लेने का क्या हक है ? (आपने हमारे ३२ लाख रुपये और मेरे ७ लाख रुपये ले लिए। आप पर क्या आरोप लगाया गया है? मैं भी उस घर में हूँ, करण भी वहां हैं और राज भी वहां हैं।

रहे हो, जो असली काम करते हैं ना लोग उनका अनादर कर रहे हैं। इसके बाद प्रियंका ने स्वरा को तानाशाह कहा, जिसके जवाब में स्वरा ने चोर कहा। बहस और भी तेज हो गई क्योंकि टास्क और प्रियंका के फैसले को लेकर दोनों के बीच झड़प जारी रही। पेंटहाउस जाने से पहले, स्वरा ने प्रियंका पर निशाना साधते हुए एक और तीखी टिप्पणी की, उन्होंने कहा, मैंने तेरे लिए नोट लिखा था, कितने भी ग्लैमरस कपड़े और इम्पोर्टेड मेकअप तेरे चरित्र की बातें नहीं छुपा सकती बाद में स्वरा ने निहारिका को बताया कि उसने नोट में क्या लिखा था, उसने कहा, प्लीज उसे बता देना कि मैंने उसके लिए एक नोट लिखा था-कितने भी शानदार कपड़े और महंगा मेकअप क्यों न हो, वे तुम्हारी अंदरूनी घटियापन को छिपा नहीं सकते।



होने के सात मामलों में उनकी सजा को बरकरार रखा गया था। दिल्ली हाई कोर्ट ने 10 जुलाई को यादव की सजा को बरकरार रखा था, लेकिन सात मामलों में से हर एक में उनकी सजा को छह महीने से घटाकर तीन महीने की साधारण कैद कर दिया था। कोर्ट ने हर मामले में जुर्माना भी 1.60 करोड़ रुपये से घटाकर 1.05 करोड़ रुपये कर दिया था और मुख्य सजाओं को एक साथ चलाने का निर्देश दिया था। हाई कोर्ट ने कार्यवाही के दौरान यादव द्वारा शिकायतकर्ता, डेे मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को पहले ही किए गए भुगतान को भी ध्यान में रखा था। यादव और उनकी पत्नी ने सुप्रीम कोर्ट में इस फैसले को चुनौती दी है। उनका तर्क है कि निचली अदालतों ने दोनों पक्षों के बीच बाद में हुए सहमति समझौते पर ठीक से विचार नहीं किया। याचिकाकर्ताओं ने एमएस गिम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड बनाम मनोज गोयलश मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया है। उनका तर्क है कि दोनों पक्षों के बीच बाद में हुए समझौते से मूल शिकायत की कार्यवाही खत्म हो जानी चाहिए थी।



बिग बॉस 16 फेम अर्चना गौतम के मुंबई कैफे में चोरी! कैश काउंटर उखाड़ ले गया चोर

अपने फैंन्स से सतर्क और सुरक्षित रहने का आग्रह करते हुए अर्चना ने कहा, मैं बस आप सभी से अनुरोध करती हूँ कि सतर्क रहें, सुरक्षित रहें और अपने आस-पास की सुरक्षा पर ध्यान दें। चोरी का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और इंटरनेट यूजर्स के बीच चिंता पैदा कर दी है।

टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 16 से घर-घर में पहचान बनाने वाली मशहूर मॉडल और एक्ट्रेस अर्चना गौतम के मुंबई स्थित कैफे में चोरी की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। अंधेरी वेस्ट स्थित उनके कैफे शओये चुरोसश (व्लम बेनततवे) में बुधवार तड़के एक शातिर चोर घुसा और पूरा का पूरा कैश काउंटर ही उखाड़ कर ले गया। इस घटना से दुखी अर्चना ने सोशल मीडिया पर चोरी का ब्लूट फुटेज शेयर करते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। अर्चना ने बताया कि उन्होंने इस कैफे को ष्छहत्त प्यार और कड़ी मेहनतसे बनाया था और इसमें अपनी बचत का पैसा लगाया था। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि उन्होंने चोरी के संबंध में थ्द दर्ज कराई है और अपने फैंन्स और फॉलोअर्स से सुरक्षित रहने का आग्रह किया है।

बिग बॉस 16 फेम अर्चना गौतम के मुंबई कैफे में चोरी इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए अर्चना ने लिखा, मैं आप सभी के साथ मुंबई में अपने कैफे (/oye-churros) में हुई चोरी का यह CCTV फुटेज शेयर कर रही हूँ ताकि आप भी सतर्क रह सकें और अपने घरों व बिजनेस की सुरक्षा का ध्यान रख सकें। मैंने अपनी बचत का पैसा लगाकर बहुत प्यार और कड़ी मेहनत से यह कैफे बनाया था। मैंने हर छोटी-बड़ी चीज़ को एक साथ लाने के लिए व्यक्तिगत रूप से कड़ी मेहनत की थी। लेकिन एक चोर मेरे कैफे में घुसा और पूरा कैश काउंटर ही ले गया। उन्होंने अपने फॉलोअर्स को यह भी बताया कि उन्होंने FIR दर्ज करा दी है और मुंबई पुलिस से उचित कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा, मैंने इस मामले में FIR दर्ज कराई है और मुंबई पुलिस से विनम्र अनुरोध करती हूँ कि वे जल्द से जल्द इस व्यक्ति को ढूंढ़ें और उचित कानूनी कार्रवाई करें। मुंबई मुझे हमेशा एक सुरक्षित शहर लगा है, इसीलिए इस घटना ने मुझे बहुत परेशान कर दिया है। अपने फ़ैन्स से सतर्क और सुरक्षित रहने का आग्रह करते हुए अर्चना ने कहा, मैं बस आप सभी से अनुरोध करती हूँ कि सतर्क रहें, सुरक्षित रहें और अपने आस-पास की सुरक्षा पर ध्यान दें। चोरी का ब्लूट फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और इंटरनेट यूजर्स के बीच चिंता पैदा कर दी है।

अर्चना गौतम के मुंबई कैफे के बारे में जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि अर्चना ने अक्टूबर 2025 में मुंबई में अपना कैफे शओये चुरोसश (व्लम बेनततवे) शुरू किया और इस तरह फूड बिजनेस में कदम रखा। अंधेरी वेस्ट में वर्सावा मेट्रो स्टेशन के पास स्थित यह कैफे आधिकारिक तौर पर 9 अक्टूबर 2025 को खुला।

अर्चना गौतम का वर्क फ्रंट सलमान खान के शो शबिग बॉस 16श में हिस्सा लेने के बाद अर्चना मशहूर हुई। इसके बाद, वह श्खतरों के खिलाड़ी 13श और श्सेलिब्रिटी मास्टरशेफश में नज़र आई। टीवी शो के अलावा, उन्होंने श्ग्रेट ग्रैंड मस्तीश और श्हसीनाश जैसी फिल्मों में भी काम किया है। हाल ही में उन्हें भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया के शो श्इंडियन गेम शोश में देखा गया था।

मेरी चोली 6 लोगों के लिए ...रक्षा बंधन एडी पर कृति सेनन ने तोड़ी चुप्पी, कभी नहीं सोचा था ऐसा होगा

अली फजल, नीतू कपूर, भावना पांडे, महीप कपूर समेत कई हस्तियां नजर आ रही हैं। हालांकि, मीरा राजपूत और कृति सेनन की खास मौजूदगी ने दर्शकों का सबसे ज्यादा ध्यान खींचा। करीना कपूर खान अपने पॉपुलर टॉक शो व्हाट वुमन वांट के नए सीजन के साथ जल्द ही वापसी करने वाली हैं। शो का आगामी सीजन पहले से कहीं ज्यादा दिलचस्प नजर आ रहा है, जिसकी झलक हाल ही में जारी हुए ट्रेलर में देखने को मिली। इस बार पहली बार शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत भी करीना के साथ कैमरे पर बातचीत करती नजर आएंगी। वहीं, कृति सेनन ने भी शो में रक्षा बंधन के एक विज्ञापन को लेकर हुए विवाद पर खुलकर अपनी बात रखी। एक्ट्रेस ने बताया कि वह ऐसे विवाद का हिस्सा बन गई थीं, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। कृति ने कहा कि उन्होंने बिल्कुल अंदाजा नहीं था की यह मामला इतना बड़ा हो जाएगा और नेशनल लेवल पर चर्चा का मुद्दा बन जाएगा। इस ट्रेलर में कृति सेनन ने करीना कपूर के शो व्हाट वुमन वांट में रक्षा बंधन के विज्ञापन से जुड़े विवाद का जिक्र किया। उन्होंने हैरानी जताते हुए बताया कि उनके ऑउटफिट को लेकर मामला इतना बढ़ गया था कि वह नेशनल टीवी के प्राइम टाइम पर होने वाली चर्चा का हिस्सा बन गया। इस पर करीना कपूर ने भी कृति की बात से सहमति जताई और कहा कि उन्हें भी इस बारे में पता है।



ऑयली स्किन से हैं परेशान? आजमाएं ये 3 एसेशियल ऑयल, पिंपल्स की छुट्टी!

ऑयली स्किन से कई बार हम सभी परेशान हो जाते हैं, क्योंकि चेहरे पर ऑयल प्रोडक्शन होने से पिंपल्स की समस्या बढ़ जाती है। ऐसे में ऑयली स्किन से छुटकारा पाने के लिए क्या-क्या नहीं करते हैं। एक्ने और पोर्स क्लॉग की ससमस्या से खत्म ही नहीं होती है। ऑयली स्किन के कारण बार-बार चेहरे को धोते हैं, तो ऐसा करना भी सही नहीं होता है, स्किन और भी ज्यादा ऑयली हो जाती है, क्योंकि सीबम का अधिक उत्पादन होने लगता है। अगर आप ऑयली स्किन का ख्याल रखना चाहते हैं, तो आप एसेंशियल ऑयल का प्रयोग कर सकते हैं। आइए आपको बताते हैं कौन-से एसेंशियल ऑयल चेहरे पर अप्लाई कर सकते हैं, जिससे आपकी ऑयली स्किन को फायदा मिले।

टी ट्री ऑयल

ऑयली स्किन वाले आप टी ट्री का ऑयल अपने चेहरे पर लगा सकते हैं। इसे अपने स्किन केयर रूटीन में जरूर शामिल करें। टी ट्री ऑयल में नेचुरली एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल होता है, जो ब्रेकआउट्स को कम करने में मदद करता है और यह अतिरिक्त ऑयल को भी चेहरे से हटा देता है। इतना ही नहीं, यह ऑयल सूजन और रेडनेस को भी कम कर देता है। टी ट्री ऑयल का इस्तेमाल करने के लिए सबसे पहले आप एक से दो बूंद ऑयल को किसी भी कैरियल ऑयल में मिक्स करके अपने चेहरे पर लगा सकती हैं।

रोजमेरी ऑयल

ऑयली स्किन की केयर करने के लिए आप रोजमेरी ऑयल को चेहरे पर लगा सकती हैं। इसके इस्तेमाल से सीबम को बैलेंस करने में मदद मिलती है। इसके साथ ही यह स्किन में ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाता है। इतना ही नहीं, यह स्किन को नेचुरली टोन और टाइट करता है।

लैवेंडर ऑयल

लैवेंडर ऑयल स्किन को सॉफ्ट बनता है और यह ऑयल को भी बैलेंस करता है। यदि आपकी स्किन ऑयली के साथ ही सेंसिटिव है, तो आप लैवेंडर ऑयल का यूज कर सकती हैं। यह चेहरे के दाग-धब्बे और फुंसियों को ठीक करने में मदद करता है। इसके साथ ही यह एक फ्रेश और सूदिंग खुशबू भी प्रदान करता है। आप इसआप चाहें तो एक स्प्रे बोतल में पानी के साथ मिलाकर एक ताजा फेशियल मिस्ट बना सकती हैं।



मोटापे के खिलाफ जंग में अब एक नया खिलाड़ी सामने आया है और हैरानी की बात यह है कि यह खुद एक तरह की फैट (चर्बी) है। शोधकर्ताओं ने बताया है कि ब्राउन फैट मोटापे के इलाज में एक नई उम्मीद बन सकता है।

ब्राउन फैट क्या है?

ब्राउन फैट, जिसे वैज्ञानिक भाषा में ब्राउन एडिपोज टिश्यू कहा जाता है, शरीर में बहुत कम मात्रा में पाया जाता है। यह मुख्य रूप से गर्दन और ऊपरी पीठ के आसपास मौजूद होता है। जहां व्हाइट फैट शरीर में ऊर्जा को संग्रहित करता है, वहीं ब्राउन फैट ऊर्जा को जलाकर गर्मी पैदा करता है। यही इसे मोटापे से लड़ने में खास बनाता है।

ब्राउन फैट कैसे काम करता है?

ब्राउन फैट की सबसे खास बात यह है कि यह थर्मोजेनेसिस नामक प्रक्रिया करता है, यानी शरीर में गर्मी पैदा करता है। ठंडे मौसम में यह प्रक्रिया शरीर का तापमान बनाए रखने में मदद करती है। ब्राउन फैट की कोशिकाएं माइटोकॉन्ड्रिया से भरपूर होती हैं, जो इसे इसका भूरा रंग देती हैं और कैलोरी जलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

शरीर को गर्म करने की क्षमता

जब ब्राउन फैट सक्रिय होता है, तो यह नॉन-शिवरिंग थर्मोजेनेसिस नामक प्रक्रिया से गुजरता है।

इस दौरान कोशिकाएं ग्लूकोज और फैट मॉलेक्यूल्स को तोड़कर गर्मी पैदा करती हैं।

यह प्रक्रिया न केवल शरीर को ठंड से बचाती है, बल्कि ऊर्जा खर्च को भी बढ़ाती है।

इसका सीधा फायदा यह है कि वजन घटाने की संभावना बढ़ जाती है।

शोध क्या कहता है: एक अध्ययन के अनुसार, जिन लोगों में ब्राउन फैट अधिक सक्रिय होता है, वे कम सक्रिय ब्राउन फैट वाले लोगों की तुलना में लगभग 15: अधिक कैलोरी जलाते हैं।

मोटापे के इलाज में नई दिशा

ब्राउन फैट पर हो रहे शोध से संकेत मिलते हैं कि भविष्य में इसे वजन घटाने और मेटाबॉलिक स्वास्थ्य सुधारने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। जहां पहले फैट को सिर्फ शरीर की अनचाही चर्बी माना जाता था, वहीं अब ब्राउन फैट यह साबित कर रहा है कि हर फैट बुरा नहीं



होता।

ब्राउन फैट को बढ़ाने और वजन घटाने के आसान तरीके ठंडी हवा में रहें

ब्राउन फैट को सक्रिय करने के लिए ठंडी हवा में रहना बहुत फायदेमंद है। यह ठंडे वातावरण में अधिक एक्टिव होता है, इसलिए हल्की ठंडी जगह पर समय बिताना या



ठंडी हवा में थोड़ी एक्सरसाइज करना लाभकारी है। इसके अलावा, ठंडे पानी से शॉर्ट शॉवर लेना भी ब्राउन फैट को सक्रिय करने और कैलोरी बर्न करने में मदद करता है।

नियमित एक्सरसाइज करें

ब्राउन फैट को सक्रिय रखने के लिए नियमित एक्सरसाइज बेहद जरूरी है। वॉकिंग, जॉगिंग और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जैसी एक्टिविटी ब्राउन फैट की सक्रियता को बढ़ाती हैं। एक्सरसाइज के दौरान शरीर में ऊर्जा खर्च बढ़ता है और कैलोरी बर्न होती है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

हेल्दी डाइट अपनाएं



चाहिए। कई बार व्यक्ति का चेहरा एक तरफ झुक जाता है। मुस्कुराने पर चेहरे का एक हिस्सा ठीक से ऊपर नहीं उठता। इसी तरह दोनों हाथ ऊपर उठाने पर एक हाथ नीचे की ओर गिर सकता है या उसमें कमजोरी महसूस हो सकती है। यही वजह है कि अचानक हुए ऐसे बदलाव को सिर्फ थकान, कमजोरी या नस दबने की समस्या मानकर घर पर इंतजार करना ठीक नहीं है।

बोलने में अचानक दिक्कत भी हो सकती है स्ट्रोक का संकेत अगर कोई व्यक्ति अचानक ठीक से बोल नहीं पा रहा है, उसकी आवाज लड़खड़ाने लगी है या उसे दूसरों की बात समझने में परेशानी हो रही है, तो यह

भी स्ट्रोक का संकेत हो सकता है। कुछ मामलों में व्यक्ति सही शब्द बोल नहीं पाता या अचानक भ्रमित नजर आने लगता है। ऐसे लक्षण अचानक शुरू हों तो समय गंवाए बिना इमरजेंसी मदद लेनी चाहिए।

अचानक धुंधला दिखाई देना या संतुलन बिगड़ना स्ट्रोक का असर केवल हाथ-पैर या बोलने पर ही नहीं पड़ता। अचानक एक या दोनों आंखों से धुंधला दिखाई देना, देखने में परेशानी होना, चक्कर आना, चलने में दिक्कत या शरीर का संतुलन बिगड़ना भी चेतावनी संकेत हो सकते हैं। अगर किसी व्यक्ति को अचानक चलने में परेशानी होने लगे या वह बिना वजह लड़खड़ाने लगे, तो इसे सामान्य कमजोरी मानकर आराम करने के लिए छोड़ना सही नहीं है।

बिना वजह अचानक तेज सिरदर्द भी हो सकता है संकेत कुछ लोगों में स्ट्रोक के दौरान अचानक बहुत तेज सिरदर्द हो सकता है, खासकर जब सिरदर्द का कोई स्पष्ट कारण समझ में न आए। इसके साथ उल्टी, बेहोशी या दूसरी न्यूरोलॉजिकल समस्याएं भी हो सकती हैं। ऐसा सिरदर्द अचानक शुरू हुआ हो और सामान्य से बिल्कुल अलग महसूस हो रहा हो, तो तुरंत चिकित्सीय मदद लेना जरूरी है।

कुछ मिनट बाद लक्षण ठीक हो जाएं तो भी खतरा खत्म नहीं होता

कई बार स्ट्रोक जैसे लक्षण कुछ मिनटों के बाद अपने आप ठीक हो जाते हैं। लोग इसे देखकर सोच लेते हैं कि शायद कमजोरी या थकान की वजह से ऐसा हुआ था। लेकिन यह

केवल चर्बी नहीं ब्राउन फैट, वजन घटाने में कैसे करता है मदद, डॉक्टर ने किया खुलासा

ब्राउन फैट को सक्रिय रखने के लिए हेल्दी डाइट अपनाना बहुत जरूरी है। इसमें एवोकाडो, अखरोट, अलसी और मछली जैसी हेल्दी फैट्स शामिल करें। इसके अलावा, मसालेदार खाना, ग्रीन टी और हर्बल ड्रिंक्स भी थर्मोजेनेसिस को बढ़ावा देने में मदद करते हैं और कैलोरी बर्निंग को सक्रिय रखते हैं।

पर्याप्त नींद और स्ट्रेस कंट्रोल ब्राउन फैट को सही तरीके से सक्रिय रखने के लिए पर्याप्त नींद और स्ट्रेस कंट्रोल बेहद जरूरी है। रोजाना 7-8 घंटे की नींद लें और तनाव कम करने के लिए योग, ध्यान और गहरी सांस की एक्सरसाइज अपनाएं। जब स्ट्रेस कम होता है, तो ब्राउन फैट बेहतर तरीके से काम करता है और कैलोरी बर्निंग की प्रक्रिया प्रभावी रहती है।

धीरे-धीरे वजन घटाएं



ब्राउन फैट की सक्रियता बनाए रखने के लिए धीरे-धीरे वजन घटाना जरूरी है। अचानक या अत्यधिक डाइटिंग करने से ब्राउन फैट की एक्टिविटी कम हो सकती है। इसलिए हेल्दी कैलोरी डिफिसिट और संतुलित डायट अपनाना सबसे सुरक्षित और प्रभावी तरीका है। ब्राउन फैट एक ऐसा प्राकृतिक तत्व है जो शरीर में कैलोरी बर्न करने में मदद करता है और मोटापे को नियंत्रित करने की क्षमता रखता है। इसलिए मोटापे और हेल्दी मेटाबॉलिज्म के लिए ब्राउन फैट पर ध्यान देना और इसे सक्रिय रखना महत्वपूर्ण हो सकता है।

हाथ या पैर में अचानक सुन्नपन? इसे मामूली यकान समझने की भूल न करें, हो सकता है ब्रेन अटैक

ट्रांजिएंट इस्केमिक अटैक यानी टीआईए, जिसे आम भाषा में मिनी स्ट्रोक कहा जाता है, हो सकता है। टीआईए के लक्षण थोड़े समय में खत्म हो सकते हैं, लेकिन इसे नजरअंदाज करना खतरनाक है। यह भविष्य में होने वाले बड़े स्ट्रोक की चेतावनी हो सकता है। शुरुआत में यह पता लगाना भी संभव नहीं होता कि लक्षण टीआईए के हैं या बड़े स्ट्रोक के, इसलिए दोनों ही स्थितियों में तुरंत मेडिकल जांच जरूरी है।

किन लोगों में बढ़ सकता है स्ट्रोक का खतरा स्ट्रोक का खतरा कई स्वास्थ्य और जीवनशैली से जुड़े कारणों से बढ़ सकता है। इनमें खास तौर पर शामिल हैं हाई ब्लड प्रेशर डायबिटीज बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल धूम्रपान या तंबाकू का सेवन ज्यादा शराब पीना मोटापा शारीरिक गतिविधि की कमी अस्वस्थ खान-पान

इनमें से कुछ जोखिम कारकों को नियंत्रित किया जा सकता है। इसलिए नियमित स्वास्थ्य जांच, ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर पर नजर रखना, संतुलित खान-पान और नियमित शारीरिक गतिविधि ा स्ट्रोक के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं।

स्ट्रोक के लक्षण दिखें तो क्या करें अगर किसी व्यक्ति के चेहरे, हाथ या पैर में अचानक सुन्नपन या कमजोरी हो, बोलने में दिक्कत हो, नजर धुंधली हो जाए या अचानक संतुलन बिगड़ जाए, तो इंतजार न करें। तुरंत इमरजेंसी मेडिकल सहायता लें। लक्षण किस समय शुरू हुए थे, इसका समय नोट कर लें, क्योंकि अस्पताल में डॉक्टरों के लिए यह जानकारी बेहद महत्वपूर्ण होती है। स्ट्रोक के इलाज में समय बहुत मायने रखता है और कुछ उपचार लक्षण शुरू होने के बाद सीमित समय के भीतर ही अधिक प्रभावी होते हैं। सबसे जरूरी बात यह है कि मरीज को अपनी तरफ से कोई दवा देकर इलाज करने की कोशिश न करें। स्ट्रोक का प्रकार जानने के लिए डॉक्टरों को जांच और अक्सर ब्रेन इमेजिंग की जरूरत होती है। इसलिए ऐसे लक्षण दिखने पर सीधे अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचना ही सबसे जरूरी कदम है।



सक्षिप्त

**फाडा रिपोर्ट: सितंबर में EV रिटेल बिक्री 74 फीसदी उछली, 3.33 लाख यूनिट का रिकॉर्ड**

मुंबई। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खुदरा बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर 74 प्रतिशत बढ़कर 3.33 लाख इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान इलेक्ट्रिक कार की बिक्री भी करीब दोगुनी हो गई। उद्योग निकाय फाडा ने बुधवार को यह जानकारी दी। वाहन डीलरों के महासंघ 'फाडा' की ओर से जारी मासिक आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में देशभर में कुल 3,33,364 इलेक्ट्रिक वाहन बिके, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में 1,91,497 इकाइयों की बिक्री हुई थी। इस दौरान इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 36,108 इकाई रही, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। एक साल पहले की समान अवधि में 18,559 इकाइयों की बिक्री हुई थी। फाडा के अध्यक्ष साई गिरिधिर ने कहा कि सितंबर में सभी श्रेणियों में इलेक्ट्रिक वाहनों की खुदरा बिक्री का यह अबतक का सर्वाधिक मासिक स्तर है। इससे कुल वाहन बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी करीब 13 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले 10 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि त्योहारी मांग, कम परिचालन लागत, विभिन्न मॉडल की बढ़ती पसंद और पीएम ई-ड्राइव तथा राज्यों की योजनाओं से मिल रहा नीतिगत समर्थन इलेक्ट्रिक वाहनों को वैकल्पिक विकल्प से आगे ले जाकर बड़ी संख्या में खरीदारों के लिए प्रमुख विकल्प बना रहा है। सितंबर में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री 88 प्रतिशत बढ़कर 2,07,314 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई और इनकी हिस्सेदारी 11.6 प्रतिशत रही। वहीं, इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की हिस्सेदारी बढ़कर 8.5 प्रतिशत हो गई। तिपहिया वाहनों की बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 64.9 प्रतिशत रही। वहीं, इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री मासिक आधार पर घटी, लेकिन सालाना आधार पर इसमें 150 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई।

गूगल क्लाउड इंडिया के अंतरिम प्रमुख बने अमित कुमार, शशिकुमार श्रीधरन ने छोड़ा पद

नयी दिल्ली। गूगल क्लाउड इंडिया के प्रबंध निदेशक शशिकुमार श्रीधरन ने कंपनी के बाहर अन्य अवसर तलाशने के लिए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, जिसके बाद अमित कुमार को कंपनी के भारतीय परिचालन का अंतरिम प्रमुख नियुक्त किया गया है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। नेतृत्व में इस बदलाव की घोषणा गूगल क्लाउड एशिया प्रशांत के अध्यक्ष करण बाजवा ने लिंकडइन पर एक पोस्ट में की। बाजवा ने लिखा, मैं व्यक्तिगत रूप से शशिकुमार श्रीधरन को धन्यवाद देना चाहता हूं, जो गूगल से बाहर किसी अन्य अवसर की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि श्रीधरन ने गूगल क्लाउड में अपने कार्यकाल के दौरान कई भूमिकाएं निभाई हैं, जिनमें शुरुआत में एशिया प्रशांत (एपीएसी) क्षेत्र के लिए मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) और बाद में भारत के लिए प्रबंध निदेशक का पद शामिल है। गूगल क्लाउड इंडिया में डिजिटल नेटिव्स के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत अमित कुमार अब भारत के परिचालन का नेतृत्व करेंगे। बाजवा ने कहा, “अमित कुमार के गूगल क्लाउड इंडिया के अंतरिम प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने के साथ ही हमारा ध्यान अपनी असाधारण गति को आगे बढ़ाने पर है। भारत में हमारे ग्राहकों और भागीदारों के लिए आगामी अवसर पहले से कहीं अधिक बड़े हैं, और हमारी टीम आगे जो कुछ भी पेश करेगी, उसे लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं।

यूपीआई लेनदेन पर मामूली शुल्क का नहीं होगा बड़ा असर, RBI को पूरा भरोसा

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) पर 'मर्रैट डिस्काउंट रेट' (एमडीआर) के रूप में मामूली शुल्क लगाए जाने से यूपीआई लेनदेन की मात्रा पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करने के बाद यहां केंद्रीय बैंक के मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, “फिलहाल हमें लेनदेन की मात्रा में कोई गिरावट नहीं दिख रही है। और मुझे व्यक्तिगत रूप से नहीं लगता कि मामूली शुल्क का लेनदेन



की मात्रा पर कोई बड़ा असर पड़ेगा।” उल्लेखनीय है कि भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने पिछले महीने व्यक्ति से व्यापारियों को होने वाले 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लगाने की घोषणा की थी। यह शुल्क व्यापारियों से लिया जाएगा। मल्होत्रा ने कहा कि बैंकों की कर्ज वृद्धि आगे भी मजबूत बनी रहेगी और इससे व्यापक आर्थिक गतिविधियों को समर्थन मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि आरबीआई अत्यधिक नकदी के बीच कर्ज देने वाली गैर-बैंकिंग कंपनियों (एनबीएफसी) की संपत्ति की गुणवत्ता पर पड़ने वाले प्रतिकूल असर से अवगत है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय बैंक को ऐसी स्थिति पैदा होने की आशंका नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सप्ताह में बैंकों में अतिरिक्त नकदी देखी गयी है लेकिन यह लंबे समय तक नहीं बनी रहेगी। मल्होत्रा ने यह भी कहा कि रियायती अदला-बदली सुविधा के तहत प्रवासी भारतीयों से करीब 133 अरब अमेरिकी डॉलर की जमा राशि जुटाया जाना एफसीएनआर (बी) योजना और देश की व्यापक आर्थिक बुनियाद की मजबूती को दर्शाता है। आरबीआई गवर्नर के अनुसार, केंद्रीय बैंक को भरोसा है कि बैंक इस राशि का उपयोग सूझ-बूझ के साथ करेंगे।

श्रेयस अय्यर ने शतक लगाकर ICC T20I Rankings के टॉप 10 में बनाई जगह, पहुंचे 7वें नंबर पर

वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक जड़ने के बाद श्रेयस अय्यर ने प्ब ७20⁺ रैंकिंग में 18 पायदान की छलांग लगाकर 7वां स्थान हासिल किया है। इसके साथ ही टॉप 10 बल्लेबाजों में चार भारतीय शामिल हो गए हैं। वहीं, शुभमन गिल ने वनडे रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर अपनी बढ़त मजबूत कर ली है।

भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर ICC मेन्स T20I प्लेयर रैंकिंग में सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। अपने पहले T20I शतक की बदौलत वे अपने इंटरनेशनल करियर में पहली बार टॉप 10 में जगह बनाने में कामयाब रहे। लखनऊ में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की पांच मैचों की सीरीज के पहले मैच में अय्यर ने शानदार शतक लगाया, जिससे ICC की हर मंगलवार को अपडेट होने वाली रैंकिंग में उन्हें 18 पायदान का जबरदस्त उछाल मिला। 31 साल के दाएं हाथ के

बल्लेबाज अब T20I बल्लेबाजों की रैंकिंग में सातवें स्थान पर हैं, जो उनके करियर का एक अहम पड़ाव है। अय्यर के इस उछाल के साथ ही ७20⁺ रैंकिंग के टॉप 10 में भारत के चार बल्लेबाज शामिल हो गए हैं। ईशान किशन लिस्ट में सबसे ऊपर हैं, उनके बाद दूसरे नंबर पर अभिषेक शर्मा, सातवें नंबर पर अय्यर और दसवें नंबर पर तिलक वर्मा हैं। ये रैंकिंग ICC मेन्स टी20 वर्ल्ड कप के मौजूदा चॉपियन के तौर पर भारत की बल्लेबाजी की मजबूती को दिखाती है। T20I बॉलिंग रैंकिंग में भी बड़े बदलाव हुए हैं। जापान में एशियन गेम्स खत्म होने के बाद, अफगानिस्तान के राशिद खान ने पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद से नंबर 1 की जगह वापस हासिल कर ली है। साथ ही, क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट के लिए व्यस्त रहे इस हफ्ते में तीन नए गेंदबाजों ने टॉप 10 में जगह बनाई है। भारत के स्पिनर अक्षर पटेल 16 पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर



पहुँच गए हैं, जबकि बांग्लादेश के नसुम अहमद (तीन पायदान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर) और महेदी हसन (10 पायदान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर) भी रैंकिंग में तेजी से आगे बढ़ने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। हाल ही में भारत में हुई सीरीज

के बाद ओडीआई रैंकिंग में भी कुछ बदलाव हुए हैं, जिसमें भारत और वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। ओडीआई रैंकिंग में, गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज जिताने वाले दूसरे ब्लैक मैच में शुभमन गिल

की रिकॉर्ड-तोड़ नाबाद 223 रनों की पारी ने बल्लेबाजों की रैंकिंग में उनकी बढ़त को और मजबूत कर दिया है। अब वह 841 रेटिंग पॉइंट्स के साथ टॉप पर हैं। सीरीज के आखिरी मैच में 162 रनों की पारी खेलने के बाद वेस्टइंडीज के कप्तान शाई

होप ओडीआई बल्लेबाजों की अपडेटेड लिस्ट में दो पायदान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुँच गए हैं, जबकि भारत के अनुभवी खिलाड़ी केएल राहुल सात स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर पहुँच गए हैं।

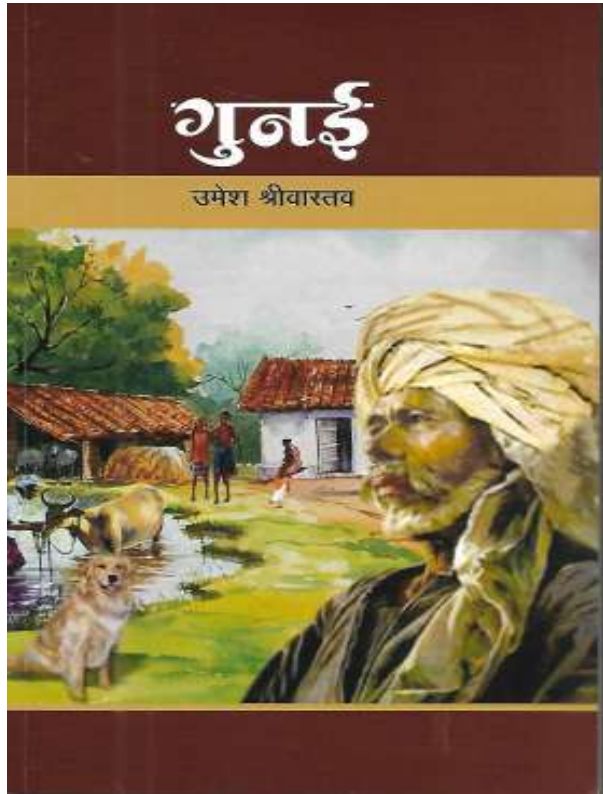
भुवनेश्वर कुमार की चार साल बाद भारतीय T20I टीम में वापसी, सुरेश रैना ने जताई खुशी

पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुरेश रैना ने तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की चार साल बाद भारतीय ७20⁺ टीम में वापसी का स्वागत किया। रैना ने उनके अनुशासन, कड़ी मेहनत और संघर्ष को बेहद प्रेरणादायक बताया। 36 वर्षीय अनुभवी तेज गेंदबाज ने प्क्त में लगातार शानदार प्रदर्शन की बदौलत राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है।

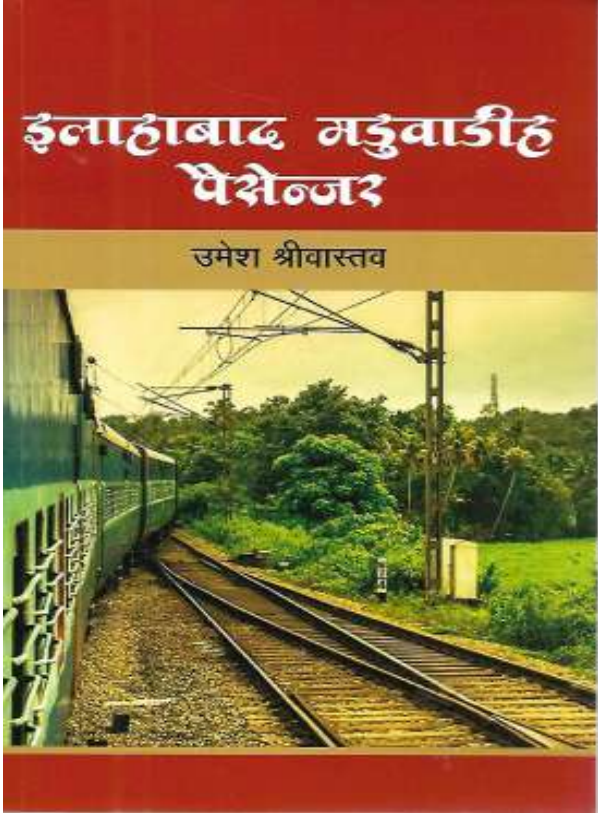
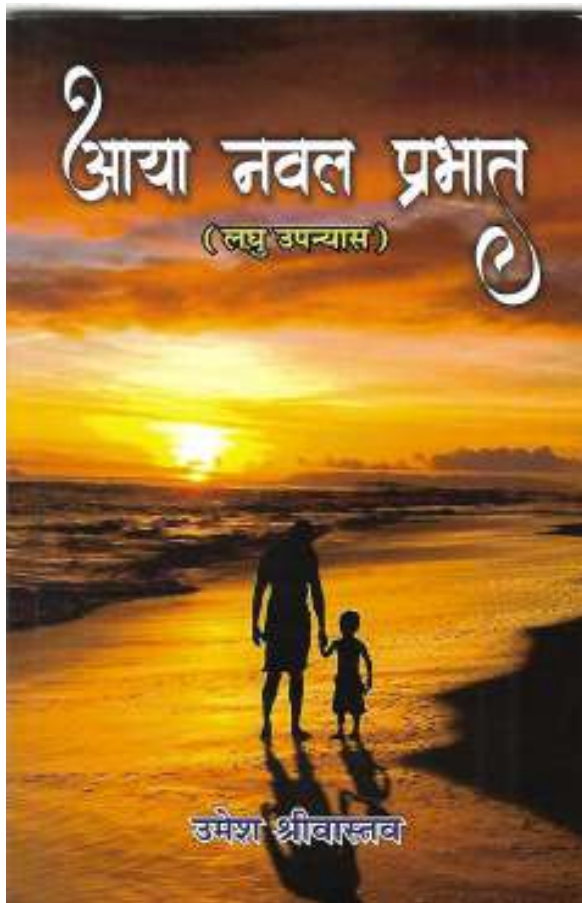
भारत के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की चार साल बाद भारतीय T20I टीम में वापसी का स्वागत किया और उनकी अनुशासन, कड़ी मेहनत और मजबूती की तारीफ की। रैना ने इस वापसी को पूरी तरह से सही ठहराया। उन्होंने उत्तर प्रदेश से प्क्त और फिर नेशनल टीम तक भुवनेश्वर के सफर को हिम्मत और लगन की एक प्रेरणादायक मिसाल बताया और कहा कि यह इस बात की याद दिलाता है

कि लगातार कड़ी मेहनत का फल जरूर मिलता है। एडिलेड में इंग्लैंड के खिलाफ 2022 ७20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल के बाद से भुवनेश्वर का भारतीय करियर रुका हुआ था।

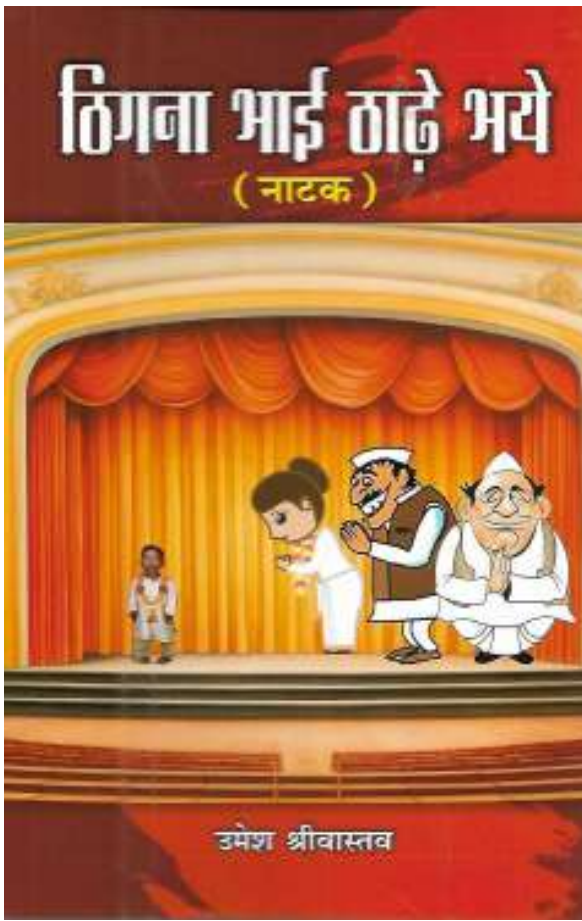
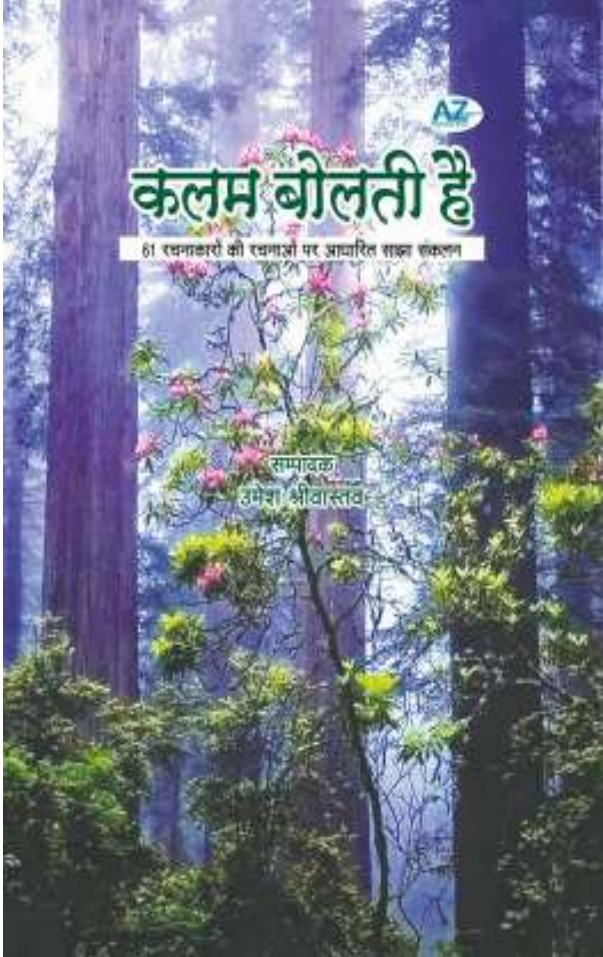
लगभग चार साल बाद, IPL में लगातार अच्छा प्रदर्शन करके 36 साल के इस खिलाड़ी ने नेशनल टीम में लंबे समय से प्रतीक्षित वापसी की है। रैना ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, घापसी पर स्वागत है, भुवी! भारत के सबसे बेहतरीन और कुशल गेंदबाजों में से एक को फिर से पहचान मिलते देखकर बहुत खुशी हो रही है। इतने सालों में उन्होंने जो अनुशासन, कड़ी मेहनत और हिम्मत दिखाई है, वह वाकई प्रेरणादायक है। उत्तर प्रदेश से IPL और अब भारतीय ७20 टीम में वापसी — यह वापसी पूरी तरह से उनके हक में है। भुवनेश्वर कुमार , ऐसे ही प्रेरित करते रहें। आपका सफर इस



चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित



समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।



ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

काला सागर में मालवाहक जहाज पर हमले के बाद सुरक्षित निकाले गए 3 भारतीय नागरिक

लंदन। काला सागर में रूसी ड्रोन हमले के बाद तुर्किये के स्वामित्व वाले मालवाहक जहाज से बचाए गए तीन भारतीय नागरिकों की हालत “स्थिर” है और उन्हें रोमानिया से “सुरक्षित और जल्द रवाना” होने के लिए हर आवश्यक सहायता मुहैया कराने का आश्वासन दिया गया है। भारतीय मिशन ने यह जानकारी दी। रोमानिया में भारतीय दूतावास के एक प्रतिनिधि ने मंगलवार को ‘एमवी रोयाद ममादोव’ से बचाए गए तीनों भारतीयों से मुलाकात की। दूतावास ने बताया कि इनमें से दो नागरिक एक होटल में ठहरे हुए हैं, जबकि तीसरे का कॉन्स्टांता स्थित काउंटी अस्पताल में इलाज चल रहा है। भारतीय मिशन



ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, “तीनों की हालत स्थिर है।” तीनों भारतीय नागरिकों को सोमवार को बचाया गया था। दूतावास ने मंगलवार को कहा, “दूतावास ने उन्हें रोमानिया से सुरक्षित और जल्द रवाना होने के लिए हर आवश्यक सहायता और सहयोग का आश्वासन दिया। मोबाइल फोन समेत जरूरी सामान शिपिंग कंपनी के स्थानीय एजेंट के माध्यम से उपलब्ध कराया गया, जबकि स्थानीय भारतीय रेस्तरां से भारतीय भोजन की व्यवस्था की गई।” दूतावास ने बताया कि प्रतिनिधि ने आगे की सहायता के समन्वय के लिए स्थानीय पुलिस अधिकारियों, शिपिंग कंपनी के एजेंट और घायल भारतीय का इलाज कर रहे डॉक्टरों से भी मुलाकात की। ‘एमवी रोयाद ममादोव’ पर इस सप्ताह की शुरुआत में काला सागर में हमला किया गया था। इस हमले में कम से कम दो विदेशी नाविकों की मौत हो गई और चालक दल के कई सदस्य घायल हुए। मारे गए लोगों की राष्ट्रीयता की तत्काल जानकारी नहीं मिल सकी। रूस–यूक्रेन संघर्ष के बीच काला सागर लगातार व्यवधान का एक प्रमुख क्षेत्र बना हुआ है। यहां हुए हमलों से वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही और बंदरगाहों का बुनियादी ढांचा प्रभावित हुआ है।

फ्लाईदुबई विमान में घायल कैप्टन स्मित मच्छार की डेंटिस्ट ने बचाई जान

तेल अवीव। तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में सह–पायलट के कथित हमले के बाद गंभीर रूप से घायल भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार की जान विमान में सवार एक दंत चिकित्सक के 45 मिनट तक किए गए सतत प्रयासों से बच सकी। इजराइल में रहने वाले जॉर्जियाई मूल के दंत चिकित्सक जॉ. शुता मुसेव ने बताया कि उन्होंने गंभीर रूप से घायल कैप्टन मच्छार के सिर और हाथ से हो रहे भारी रक्तस्राव को रोकने के लिए अस्थायी पट्टियों और बर्फ की मदद ली। इस दौरान मच्छार की नब्ज खतरनाक स्तर तक गिर गई थी। मुसेव ने ‘एबीसी न्यूज’ को बताया कि 170 से अधिक यात्रियों वाले विमान में ओमानी नागरिक सह–पायलट हमाम अल–हम्मामी ने कथित तौर पर विमान को दुर्घटनाग्रस्त करने के प्रयास ने मच्छार पर चाकू से हमला किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मच्छार को ‘नायक’ बना है। संयुक्त अरब अमीरात के एक अस्पताल में भर्ती मच्छार की हालत में लगातार सुधार हो रहा है और वह स्वस्थ हो रहे हैं। मुसेव ने बताया कि घटना के दौरान मच्छार कॉकपिट के फर्श पर घायल पड़े थे। जब उन्हें महसूस हुआ कि विमान नीचे जा रहा है, तो उन्होंने कॉकपिट का दरवाजा खोलने के लिए “आखिरी कोशिश” करने का फैसला किया। विमान में सवार एकमात्र डॉक्टर मुसेव ने कहा कि चीख–पुकार सुनकर वह आगे पहुंचे, हमलावर को काबू करने में मदद की और इसके बाद बुरी तरह घायल पायलट का उपचार शुरू किया। उन्होंने कहा, “मैं सोच रहा था कि इस स्थिति में यात्रियों और पूरे विमान की कैसे मदद कर सकता हूं। तभी मैंने एक पायलट को फर्श पर खून से लथपथ देखा।” एक अन्य यात्री यानिव हायून ने संदिग्ध हमलावर को कॉकपिट से बाहर खींच लिया और विमान का नियंत्रण संभालकर उसे स्थिर किया। इसके बाद तीसरे पायलट ने विमान की कमान संभाली। हमलावर के काबू में आने के बाद मुसेव ने मच्छार पर ध्यान केंद्रित किया, जिनके सिर, गर्दन और हाथों पर गंभीर चोटें थीं। उन्होंने रक्तस्राव रोकने के लिए घावों पर दबाव डालना शुरू किया।

फ्रांस में बेहतर शिक्षा बजट की मांग, 2.66 लाख छात्रों का बड़ा प्रदर्शन

पेरिस। शिक्षा के लिए अधिक धन की मांग कर रहे स्कूली विद्यार्थियों के समर्थन में कंगलवार को पूरे फ्रांस में ढाई लाख से अधिक लोगों ने प्रदर्शन किया जबकि पेरिस और अन्य शहरों में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देशभर में 2.66 लाख लोगों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया, जिनमें 56 हजार पेरिस में थे। इन प्रदर्शनों से निवर्तमान राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के प्रशासन पर दबाव बढ़ गया। छात्रों द्वारा हाई स्कूलों की नाकैबंदी के बीच मार्सेय, स्ट्रासबर्ग और अन्य शहरों में झंडे व तख्तियां लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे। सितंबर के मध्य में पेरिस क्षेत्र के एक हाई स्कूल से शुरू हुआ यह प्रदर्शन अब देशव्यापी आंदोलन का रूप ले चुका है।” गृह मंत्रालय के अनुसार, मंगलवार को करीब 500 लोगों को हिरासत में लिया गया। छात्रों को गिरफ्तार करने और उनके खिलाफ आंसू गैस तथा दंगा–शेभी हथियारों के व्यापक इस्तेमाल से अभिभावकों और शिक्षकों में भी नाराजगी बढ़ रही है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/ शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक /साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

पाकिस्तान में सेना बनाम सरकार, मोहसिन नक़वी के बयान से शहबाज शरीफ कैबिनेट में हलचल

संसदीय लोकतंत्र में गृह मंत्री प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कैबिनेट में काम करते हैं और राजनीतिक रूप से सरकार के प्रमुख के अधीन होते हैं। लेकिन पाकिस्तान का लोकतंत्र शायद ही कभी कायदे–कानून के हिसाब से चला हो, खासकर तब जब रावलपिंडी की छाया इस्लामाबाद पर पड़ने लगती है। मंगलवार को इस्लामाबाद में हुए एक कार्यक्रम में जहाँ प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ भी मौजूद थे, गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने एक चुने हुए नेता के एक महीने तक दफ़्तर से दूर रहने पर तीखा तंज कसा। दिलचस्प बात यह है कि शरीफ ब्रिटेन और अमेरिका की दो हफ़्ते की यात्रा से लौटने के कुछ ही दिनों बाद इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस्लामाबाद में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, नकवी ने एक ऐसे चुने हुए प्रतिनिधि (जिनका नाम नहीं लिया गया) की तुलना एक दूसरे व्यक्ति से की, जो उनके अनुसार, बिना



एक घंटे का ब्रेक लिए भी काम कर रहे थे। पाकिस्तान के असल शासक आसिम मुनीर के करीबी माने जाने वाले नकवी की इन बातों ने काफी ध्यान खींचा है और लोगों को हैरान भी किया है। इससे पाकिस्तान पर नज़र रखने वालों के मन में वही पुराना सवाल उठ रहा हैकू असल में सरकार कौन चला रहा है? नकवी को आसिम मुनीर

का करीबी माना जाता है, जिनका पाकिस्तान के सिविल और सुरक्षा तंत्र पर 2022 से काफी असर बढ़ा है। भारत में नकवी को प्लॉफी चोरफ़ के नाम से जाना जाता है, क्योंकि उन्होंने 2025 में एशिया कप की ट्रॉफी भारतीय क्रिकेट टीम को नहीं सौंपी थी। नकवी ने चुने हुए प्रतिनिधि का ज़िक्र करते हुए शहबाज़ का नाम नहीं लिया,

और न ही बिना एक घंटे का ब्रेक लिए काम करने वाले व्यक्ति के बारे में बात करते हुए मुनीर का नाम लिया। नकवी की ये बातें पाकिस्तान के लिए एक बहुत ही मुश्किल समय में आई हैं। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के हजारों समर्थक उनकी रिहाई की मांग को लेकर सड़कों पर हैं, जबकि

मिली–जुली सरकार बलूचिस्तान

बेह्तरीन नेतृत्व, विष्णु अवतार...प्रधानमंत्री मोदी की 25 साल की जनसेवा पर दुनियाभर के नेताओं ने क्या-क्या कहा ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बुधवार को दुनिया भर के नेताओं से बधाई संदेश मिले, क्योंकि उन्होंने सरकार के प्रमुख के तौर पर 25 साल पूरे कर लिए हैं। कई वैश्विक नेताओं ने उनके राजनीतिक नेतृत्व और भारत के विकास में उनके योगदान की तारीफ़ की। दुनिया भर के नेताओं ने भारत की तरक्की में मोदी की भूमिका और ग्लोबल स्तर पर देश की स्थिति को मज़बूत करने की उनकी कोशिशों की तारीफ़ की। पीएम मोदी ने सबसे पहले 7 अक्टूबर, 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर पद संभाला था। वह मई 2014 तक इस पद पर रहे, जब वह भारत के प्रधानमंत्री बने। तब से, उन्होंने लगातार तीन कार्यकाल तक केंद्र सरकार का नेतृत्व किया है और सरकार के प्रमुख के तौर पर 25 साल पूरे किए हैं।

उत्कृष्ट राजनीतिक नेतृत्व: जापानी प्रधानमंत्री

सऊदी में पाकिस्तानी सेना की एंट्री, भड़के हूतियों ने दहला डाला पूरा देश!

सऊदी अरब पर यमन के हूती विद्रोहियों के हमले लगातार भीषण होते जा रहे हैं। वही सऊदी जिसने हाल ही में ओमान के आतंकी पायलट को बचाने की पूरी कोशिश की थी। हालांकि यूएई ने उसकी सारी कोशिशों को फेल करते हुए उसे सजा दिलाने की पूरी तैयारी कर ली है। यानी कि सऊदी जिस तरह के कट्टरपंथियों का बचाव कर रहा था और वैसे जिहादी उसे बड़े जख्म दे रहे



हैं। हैरानी की बात तो यह है कि कट्टरपंथी विद्रोही अल्लाह के मस्जिद को भी नहीं छोड़ रहे हैं। अल्लाह का घर कहे जाने वाले मदीना पर हाल ही में हूतियों ने बड़ा हमला किया था। जिसमें भारी नुकसान हुआ था। पृतियों से जान बचाने के लिए सऊदी इधर–उधर घूम रहा है। लेकिन इसी बीच सऊदी की मदद के लिए वो पाकिस्तान खड़ा हो गया है जो मक्का समझौता होने के बावजूद भी सऊदी को अब तक पिटवा रहा था। अब अचानक से पाकिस्तान को मक्का समझौता याद आया है और उसने अपनी सेना सऊदी में भेजने का फैसला लिया है। लेकिन जैसे ही युतियों को पता चला कि सऊदी में पाकिस्तान की सेना की एंट्री हो गई है तो हूती विद्रोहियों ने सऊदी पर ऐसे भीषण हमले शुरू कर दिए जिसने पूरा देश दहला दिया है।

चौधरी बनने वाले पाकिस्तान की अकड़ ढीली दरअसल पाकिस्तान को लग रहा था कि जैसे ही वह सऊदी में सेना भेजने का ऐलान करेगा तो हमले रुक जाएंगे। लेकिन इससे हूतियों के मनोबल पर कोई असर नहीं पड़ा बल्कि उसने हमलों को और तेज कर दिया है। खबर है कि हूतियों ने सऊदी अरब के तीन एयरपोर्ट को निशाना बनाया है और वहां ड्रोन और बैलस्टिक मिसाइलें बरसाई हैं। पाकिस्तान की एंट्री के बीच यमन

के ईरान समर्थित भूतियों ने सऊदी अरब पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया है जिसमें भारी नुकसान हुआ है। हमला इतना भीषण था कि कई लोगों के चिथड़े उड़ गए। दरअसल सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच बढ़ता सैन्य सहयोग भी हूतियों के लिए चुनौती नहीं बन पाया। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि यूतियों के पास यमन से ड्रोन और मिसाइल हमले करने की क्षमता और अलग कमांड स्ट्रक्चर है। पाकिस्तान की सऊदी सुश्चा में भूमिका बढ़ने का मतलब यह नहीं कि उसकी सेना सीधे यमन में हूतियों के खिलाफ मोर्चा संभाल रही है। इसके अलावा हूं संदेश देना चाहते हैं कि वो इस लड़ाई को गंभीरता से ले रहे हैं। दूसरी तरफ हूं इस संघर्ष को सऊदी अरब के खिलाफ अपनी पुरानी लड़ाई के तौर पर देखते हैं। नजरान और जिजान जैसे यमन सीमा से लगे इलाके पहले से ही उनके निशाने पर रहे हैं। इसके अलावा लाल सागर और तेल आपूर्ति मार्गों पर दबाव बनाना हूतियों के लिए बड़ा रणनीतिक हथियार है। यही वजह है कि पाकिस्तान की एंट्री के बावजूद हूतियों ने ड्रोन मिसाइल हमलों का सिलसिला जारी रखा है।

यमन में हूतियों का करीब 1/3 इलाके पर नियंत्रण यहां देश की करीब 80: आबादी रहती है। यही वजह है कि हूतियों का क्षेत्रफल कम होने के बावजूद उनका देश की आबादी और अहम शहरों पर बड़ा प्रभाव है। हूतियों ने पिछले 48 घंटों में यमन के पश्चिमी तट पर कई रणनीतिक पहाड़ियों पर कब्जा किया है। अगर हूं इस इलाके को सरकारी इलाके से काट देते हैं तो सरकार पूरी तरह इस पर नियंत्रण खो देगी। यमन में सरकार और हूतियों के बीच करीब 12 साल से लड़ाई चल रही है। सऊदी अरब यमन की सरकार का समर्थन करता है। जबकि हूतियों को ईरान का समर्थन मिलता है। हूती विद्रोही सऊदी अरब पर हमला करने की सबसे बड़ी वजह उसी सैन्य गठबंधन को मानते हैं जिसने यमन में उनके खिलाफ बरसों तक हवाई हमले किए हैं। पश्चिमी देशों और सऊदी अरब का आरोप है कि ईरान भूतियों को हथियार, ट्रेनिंग और फंडिंग मुहैया कराता है। जिससे वे इतने बड़े स्तर पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने में सक्षम हो पाते हैं। तो कुल मिलाकर साफ है कि हुतियों ने सऊदी पर हमले बढ़ाते हुए पाकिस्तान को बता दिया है कि तुम अगर सामने आओगे तो तुन्हें भी नहीं छोड़ा जाएगा। इसलिए अब पाकिस्तान को फैसला करना है कि उसे अपनी वहां से सेना हटानी है या फिर अपनी कब्र खुदवानी है।

और खैबर पख्तूनख्वा में बढ़ते विद्रोह से जूझ रही है। हालांकि जानकार लंबे समय से पाकिस्तान की सेना को देश की राजनीति का सबसे बड़ा फ़ैसला लेने वाला मानते रहे हैं, लेकिन मुनीर के दौर में सत्ता का पलड़ा सेना के पक्ष में और भी ज्यादा झुक गया है। साथ ही, ऐसी चर्चा भी है कि इस्लामाबाद, PTI–शासित खैबर पख्तूनख्वा (जो पख्तूनों का इलाका है) में गवर्नर शासन लगाने पर विचार कर रहा है। 30 जुलाई को नकवी ने कहा था कि पाकिस्तान का मौजूदा गवर्नंस सिस्टम फ़ेलफ़ हो चुका है और देश की समस्याओं को हल करने में नाकाम है।

वे अपना समय कहाँ बिता रहे हैं? नकवी का सवाल नकवी की ये खास बातें मंगलवार को इस्लामाबाद में कश्मीर चौक अंडरपास के शिलान्यास समारोह में सामने

हमसे पंगा मत लो, नहीं तो...नेतन्याहू ने किसे दी खतरनाक धमकी

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने 7 अक्टूबर की बरसी से ठीक पहले अपने मंत्रिमंडल की बैठक में इजराइल के दुश्मनों को सीधी चेतावनी दी है। नेतन्याहू ने 6 अक्टूबर को सरकारी बैठक की शुरुआत में ही हमаса को लेकर कहा कि यह संगठन अब कमजोर हो चुका है। लेकिन चुनाव से पहले वह अपनी बची हुई सारी ताकत का इस्तेमाल इजराइल को चुनौती देने और चुनाव को प्रभावित करने के लिए करेगा। नेतन्याहू ने



कहा कि इजराइल ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम करेगा और अगर ऐसा प्रयास किया गया तो बहुत भारी ताकत से जवाब दिया जाएगा। इसके बाद नेतन्याहू ने दुश्मनों को सीधे तौर पर कहा कि हमने सात मोर्चों पर तुम्हारे साथ क्या किया वो देख लो हमारे साथ पंगा मत लेना। नेतन्याहू का यह बयान 7 अक्टूबर 2023 को हुए हमास के हमले की याद और उसके बाद शुरू हुए युद्ध के संदर्भ में 7 अक्टूबर 2023 को हमास और उससे जुड़े हुए लड़ाकों ने दक्षिणी इजराइल में बड़े पैमाने पर हमले किए थे। इस हमले में इजराइल के मुताबिक बड़ी संख्या में लोग मारे गए थे। कई लोगों को बंधक बना लिया गया था और उन्हें गाजा ले जाया गया था। इसके बाद इजराइल ने गाजा में बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू किए और यह संघर्ष धीरे–धीरे पूरे इलाके में फैल गया। इसी हमले की तीसरी बरसी के मौके पर इजराइल में मृतकों को याद किया जा रहा है और देश में एक बार फिर से उस दिन की घटनाओं को याद किया जा रहा है। नेतन्याहू ने अपने बयान में उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि दी जो 7 अक्टूबर के हमले और उसके बाद हुए युद्ध में मारे गए।

यूक्रेन पर रूस का भीषण हवाई हमला, कीव समेत कई इलाकों में 12 नागरिकों की मौत और 40 घायल

कीव। रूस ने बुधवार तड़के यूक्रेन की राजधानी कीव और करीब एक दर्जन अन्य क्षेत्रों पर मिसाइलों और ड्रोन से बड़े पैमाने पर हमले किए, जिनमें कम से कम 12 नागरिकों की मौत हो गई। यूक्रेनी अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि मृतकों में तीन बच्चे भी शामिल हैं।

अधिकारियों के अनुसार, हमलों में 40 से अधिक लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन को इस हमले की आशंका पहले से थी। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने एक दिन पहले कहा था कि खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, रूस एक “बड़े” हमले की तैयारी कर रहा है। हालांकि यूक्रेन को हमले की जानकारी थी, लेकिन वह इसे पूरी तरह रोक नहीं सका।

आई। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ भी शामिल हुए थे। पाकिस्तान की राजधानी अगस्त 2027 में होने वाले ेब समिट की तैयारी कर रही है और इस्लामाबाद को सुंदर और बेहतर बनाने पर ध्यान दे रही है। इस कार्यक्रम में, नकवी ने एव डेवलपमेंट प्रोग्राम को चुने हुए प्रतिनिधियों की जवाबदेही पर लेक्चर में बदल दिया। ध्यान दें कि नकवी चुने हुए प्रतिनिधि नहीं हैं। जानकारों का कहना है कि उन्हें मिलिट्री एस्टेब्लिशमेंट ने अपने आदमी के तौर पर शरीफ की कैबिनेट में शामिल किया था। नकवी ने कहा कि हम सभी जनता के प्रति जवाबदेह हैं। उन्हें बस एक ही बात देखनी है कि क्या उनके चुने हुए प्रतिनिधि अपना हर मिनट उन्हें दे रहे हैं या नकारात्मक राजनीति में लगा रहे हैं।इसके बाद उन्होंने एक ऐसा अंतर बताया जिससे राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़
संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव
शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरांज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर
289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईन/2004/22466
Email : shaharsanta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।